दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार

प्रदेश के ताजा समाचार

अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत

7014997449, 9636058201

Email : deshkadarpannews@gmail.com

web : www.deshkadarpannews.co

वर्ष-5, अंक:172 | जयपुर, बुधवार, 03 सितम्बर 2025 | मूल्य : 5.00 पेज:

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई: हथियार, ड्रग्स बरामद के साथ कई उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने 25 से 31 अगस्त तक खुफिया सूचनाओं के आधार पर संयुक्त अभियानों में बड़ी सफलता हासिल की है। भारतीय सेना, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने मिलकर कई जिलों में उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन उग्रवादी कैडर को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ बरामद किए। बरामद सामग्री में 53 हथियार, सात आईईडी, 10 लाख रुपए की ड्रग्स और अन्य युद्ध-संबंधी सामान शामिल हैं। 25 अगस्त को चुराचांदपुर के एस. मुननुआम गांव में असम राइफल्स ने 1200 डब्ल्यूवाई टैबलेट्स (मूल्य लगभग 10 लाख रुपए) जब्त कर ड्रग्स की तस्करी की बड़ी चेन तोड़ी। सुगनू के सिंगटॉम गांव में संयुक्त अभियान में इंसास राइफल, मोर्टार, कार्बाइन, .32 पिस्टल, सात आईईडी, आंसू गैस ग्रेनेड, और बुलेटप्रूफ कवर बरामद हुए। तामेंगलांग के पंगमोल गांव से 110 राउंड एके-47, 16 राउंड एलएमजी, और सैन्य वर्दी जब्त की गई। उसी दिन इंफाल ईस्ट के तक्खेल से केसीपी (एमएफएल) का एक कैडर गिरफ्तार किया गया। 26 अगस्त को जिरीबाम के रशीदपुर से हथियार और छह रेडियो सेट बरामद हुए। 27 अगस्त को कांगपोकपी के कोतजिम और माओहिंग कूकी से एम16 राइफल,

कार्बाइन, मोर्टार, और बुलेटप्रूफ जैकेट जब्त किए गए। तेंगनौपाल के हाओलेंफाई (मोरेह) से वीवीईजेड के लिए काम करने वाला एक संदिग्ध पकड़ा गया। 28 अगस्त को काकचिंग डीएसए रोड से केसीपी (टी) का एक सदस्य और इम्फाल वेस्ट के लमसांग से केसीपी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) का एक कैडर गिरफ्तार किया गया। जिरीबाम के जैरोलपोकपी और मोंगबुंग में पांच एकनाली बंदूक और बारूद बरामद हुआ। 28 अगस्त को ही इंफाल ईस्ट के बामोन लेईकाई से केवाइकेएल (ओकेन) का एक सदस्य और 29 अगस्त को मोइरांग से प्रीपाक (प्रो) का एक उग्रवादी पकड़ा गया। भारत-म्यांमार सीमा पर तेंगनौपाल में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के चार सदस्य गिरफ्तार किए गए। मणिपुर पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और 9233522822 नंबर पर सूचनाएं सत्यापित करने की अपील की है।

पर्यावरण मंत्री सिरसा ने की दिल्ली के एक्शन प्लान की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के वन एवं पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने संशोधित स्टेट एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज (एसएपीसीसी) को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।पर्यावरण विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें 2050 तक के जलवायु पूर्वानुमान और विभिन्न क्षेत्रों में अपनाए जाने वाले अनुकूलन और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उपायों से अवगत कराया। मंत्री ने कहा कि दिल्ली की जनहित-केंद्रित सरकार हर नीति की बहुस्तरीय समीक्षा करके ही उसे लागू करेगी, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर हो और जलवायु की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि हम केवल बातें नहीं बल्कि धरातल पर असर दिखाने वाले कदम उठाएंगे। बैठक की शुरुआत दिल्ली की जलवायु संवेदनशीलता पर प्रस्तुति से हुई, जिसमें बढ़ती हीट-स्ट्रेस, शहरी बाढ़, जल-संकट और ऊर्जा-मांग के तेज इजाफे से जन-स्वास्थ्य व आधारभूत ढांचे पर पड़ने वाले खतरों को चर्चा में शामिल किया गया। मंत्री ने कहा कि इन जुड़ी हुई चुनौतियों के कारण अनुकूलन और उत्सर्जन कटौती दोनों को तेजी से आगे बढ़ाना जरूरी है। ऊर्जा एवं बिजली चर्चा में एलईडी बल्ब-विस्तार, स्मार्ट मीटरिंग, बिजली आपूर्ति दक्षता और ग्रीन मॉबिलिटी के लिए चार्जिंग ढांचे की प्रगति पेश की गई। नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ाने और हीट वेव झेलने के लिए ग्रिड मजबूती के उपाय भी सामने रखे गए। शहरी नियोजन में ठोस-कचरा प्रबंधन, पुरानी डंपसाइट की बायो-माइनिंग, एसएंडडी व ई-कचरा निपटान, साथ ही नालियों के सुधार और यमुना फ्लड प्लेन की सुरक्षा पर चर्चा हुई। मंत्री ने तकनीकी रूप से ठोस दिखने वाली योजनाओं में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के छात्रों को दिया जाएगा मेट्रो पास : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। प्रदेश सरकार दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के कल्याण के लिए हर संभव कार्य करेगी और जल्द ही दिल्ली मेट्रो पास को भी उपलब्ध करवाएगी। यह बातें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कही। वह दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के छात्रा सम्मान समारोह 'स्वयंसिद्धा' में कहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, अभाविप की अखिल भारतीय छात्रा प्रमुख मन्नू शर्मा कटारिया, राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल, डूसू के उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह एवं छात्रसंघ सचिव मित्रविंदा कर्णवाल ने दीप प्रज्वलन करके किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खेल, अकादमिक समेत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 500 छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्वयंसिद्धा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुझे अपने कॉलेज के दिन याद आ गए, जहां मैंने एक सामान्य छात्र की तरह अपने जीवन की शुरुआत की थी और आज दिल्ली की मुख्यमंत्री तक पहुंची हूं। उन्होंने कहा कि जो कुछ सिखा इस विद्यार्थी परिषद की देन है। उन्होंने 'स्वयंसिद्धा' कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अभाविप को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आंकड़े सिर्फ आंकड़े नहीं यह एक प्रेरणा है, जिससे हर एक छात्रा को प्रेरणा मिलेगी। अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल ने कहा कि वर्ष 2014 से शुरू हुई स्वयंसिद्धा की यह यात्रा एक विचार है, एक संकल्प है जो हमें बताती है कि छात्राएं किसी से कम नहीं, वो जो चाहें वो कर सकती है। उन्होंने कहा कि 'स्वयंसिद्धा' लाखों छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो एक माध्यम बनता है नेतृत्व करने का। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एकमात्र ऐसा छात्र संगठन है जो सिर्फ छात्राओं के हक की आवाज ही नहीं उठाता बल्कि उनको पूरा भी करवाता है। स्वयंसिद्धा से लेकर मिशन साहसी तक इसके उदाहरण है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की सचिव मित्रविंदा कर्णवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यू स्पेशल बस शुरू करने एवं विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए मेट्रो पास के सकारात्मक आश्वासन देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

पीएम मोदी की सफल चीन यात्रा उनके कूटनीतिक कौशल का प्रमाण - राजनाथ सिंह

● **'पीएम मोदी की कूटनीतिक पहल को कमजोरी नहीं, बल्कि रणनीतिक परिपक्वता बताया।'**

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी की चीन यात्रा को भारत की राजनयिक और रणनीतिक क्षमता का मजबूत उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि यह दौरा भारत की वैश्विक स्थिति को नई मजबूती देने वाला कदम है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राजनाथ सिंह ने लिखा, 'प्रधानमंत्री मोदी की सफल चीन यात्रा उनके कुशल कूटनीतिक नेतृत्व और भारत की भूराजनीतिक रणनीति को नया आकार देने की क्षमता का प्रमाण है। इस यात्रा से भारत का एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) से जुड़ाव और भी गहरा हुआ है। यह दौरा वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को और सुदृढ़ करेगा। मैं इस बेहद सफल यात्रा के लिए प्रधानमंत्री को बधाई देता हूं।'

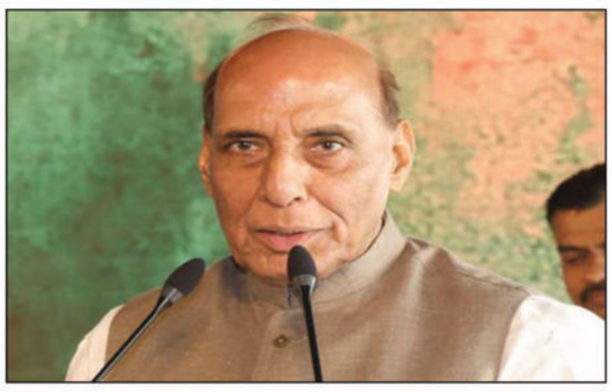

प्रधानमंत्री मोदी ने यह दौरा जापान के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के बाद किया। चीन में उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस मंच पर उनकी उपस्थिति को यूरेशिया क्षेत्र में भारत के प्रभाव को बढ़ाने और वैश्विक शक्तियों के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने देश की विदेश नीति को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत 'आत्मनिर्भरता' के सिद्धांत पर चलते हुए अपने राष्ट्रीय हित को हमेशा प्राथमिकता देता रहेगा। उन्होंने दो टूक कहा, 'हमारे लिए कोई स्थायी मित्र या दुश्मन नहीं होते, केवल स्थायी हित होते हैं।' राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि विकसित देश अब सुरक्षात्मक व्यापार नीति की ओर झुक रहे हैं, जिससे वैश्विक व्यापार को नई चुनौतियां मिल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि चीन की 'आक्रामक हरकतों' के बावजूद प्रधानमंत्री 'मौन' हैं। इस पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिक्रिया देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया कि सरकार की नीति है संवाद से समाधान, लेकिन बिना राष्ट्रीय हित के साथ समझौता किए। उनका यह बयान विपक्ष की आलोचनाओं का सटीक जवाब माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने पीएम मोदी की कूटनीतिक पहल को कमजोरी नहीं, बल्कि रणनीतिक परिपक्वता बताया।

पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे कृष्ण कृपा धाम, 200 से अधिक संतों और महंतों संग की बैठक

एजेंसी

मथुरा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री दिल्ली से वृंदावन तक 10 दिवसीय और लगभग 170 किमी लंबी 'सनातन हिंदू एकता' पदयात्रा 7 नवंबर से निकालेंगे। इसको लेकर कृष्ण कृपा धाम में 200 से अधिक संतों और महंतों की बैठक हुई, जिसमें यात्रा की रूपरेखा, अनुशासन और धार्मिक मर्यादाओं पर चर्चा की गई। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आगामी सात नवंबर से दिल्ली से वृंदावन तक एक विशाल 'सनातन हिंदू एकता' पदयात्रा निकालने जा रहे हैं। दस दिवसीय यह यात्रा लगभग 170 किलोमीटर लंबी होगी और 16 नवंबर को वृंदावन पहुंचकर संपन्न होगी। यात्रा से पहले वृंदावन के कृष्ण कृपा धाम में संत-समागम हुआ। इस बैठक में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज, भाजपा सांसद मनोज तिवारी, और देशभर से आए 200 से अधिक संतों और महंतों ने भाग लिया। बैठक में यात्रा की रूपरेखा, अनुशासन और धार्मिक मर्यादाओं पर विशेष चर्चा की गई। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह यात्रा पूरी शालीनता और सांस्कृतिक गरिमा के साथ निकाली जाएगी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह यात्रा सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन भी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि ब्रज क्षेत्र में मांस-मदिरा की बिक्री पर रोक लगे, यमुना शुद्ध हो, और धार्मिक स्थलों पर राष्ट्रगीत गूंजे। जब तक सभी सनातनी एकजुट नहीं होते, हमारा प्रयास जारी रहेगा उन्होंने यह भी कहा कि मंदिरों और मस्जिदों में राष्ट्रगीत का वादन यह दर्शाने के लिए होना चाहिए कि कौन इस मातृभूमि से प्रेम करता है और कौन नहीं। वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि वे इस यात्रा को इतना महत्व दे रहे हैं कि दिल्ली के अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर वृंदावन पहुंचे हैं।

हरियाणा में भारी बारिश, सीएम नायब सिंह सैनी ने डीसी संग की आपात बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में लगातार हो रही मूसलधार बारिश और उससे उत्पन्न बाढ़ जैसे हालात को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी जिला उपायुक्तों (डीसी) के साथ एक आपातकालीन समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्क और सक्रिय रहने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक की जान और पशुधन की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ और जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में कोई लापरवाही न हो और ज़रूरतमंद लोगों तक हर संभव सहायता तुरंत पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिन जिलों में स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं, वहां पर विद्यालय पूरी तरह से बंद रहने चाहिए। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। सीएम सैनी ने अधिकारियों से यह भी कहा कि पंजाब से जो भाई आपदा के दौरान हरियाणा की सीमा में आ रहे हैं, उनके लिए भी ज़रूरी राहत और सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने इस संकट को साझा मानवीय जिम्मेदारी बताया। मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न और हरे चारे के पर्याप्त भंडारण की आवश्यकता सुनिश्चित करने को कहा। सीएम सैनी ने निर्देश दिए कि शहरी और ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में जलभराव न हो, इसके लिए जल निकासी और सफाई के इंतज़ाम मजबूत किए जाएं। सभी संबंधित विभागों को हमेशा अलर्ट मोड पर रहने का आदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एचडीआरएफ को पूरी तरह से अलर्ट पर रखा जाए। किसी भी प्रकार की सहायता की जरूरत पड़ने पर सभी विभागों को तत्परता से प्रतिक्रिया देनी होगी। सीएम ने चिकित्सीय अवसंरचना को भी मजबूत बनाए रखने को कहा। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संख्या में पंपिंग सेट्स उपलब्ध रहनी चाहिए और सभी अस्पतालों को पूरी तैयारी के साथ इमरजेंसी के लिए तैयार रहना चाहिए।

आठ साल बाद 2025 में सबसे कम रहा औसत एक्यूआई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों के लिए थोड़ी राहत भरी खबर है। पिछले आठ सालों में इस साल जनवरी से अगस्त के बीच दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यआई) सबसे कम रहा। जनवरी-अगस्त अवधि के दौरान दिल्ली का औसत एक्यूआई 172 दर्ज किया गया, जबकि इसी अवधि के दौरान यह क्रमशः 2024 में 187, 2023 में 174, 2022 में 194, 2021 में 192, 2020 में 147, 2019 में 199, 2018 में 203 था।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस वर्ष अगस्त माह में 23 'अच्छे-संतोषजनक' दिन थे, जबकि 2018 में 19 दिन, 2019 में 22 दिन, 2020 में 31 दिन, 2021 में 11 दिन, 2022 में 18 दिन, 2023 में 08 दिन तथा 2024 में 29 दिन 'अच्छे-संतोषजनक' थे। अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों और विभिन्न हितधारकों के प्रयासों से, अगस्त महीने में दिल्ली का औसत एक्यूआई में भी पिछले कुछ वर्षों में सुधार देखा गया। अगस्त महीने का औसत एक्यूआई क्रमशः 2025 में 89, 2024 में 72, 2023 में 116, 2022 में 93, 2021 में 107, 2020 में 64, 2019 में 86 और 2018 में 111 दर्ज किया गया। 2025 में इस अवधि (जनवरी-अगस्त) में एक भी दिन ऐसा नहीं था जब औसत एक्यूआई 400 ('गंभीर' या 'गंभीर+' श्रेणी) से अधिक रहा हो। वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023 और 2024 में क्रमशः 06, 07, 02, 06, 01, 03 और 03 ऐसे दिन थे। सीएक्यूएम ने बताया कि वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और कमी के लिए प्रभावी उपाय करने तथा दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए विभिन्न संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहा है। आने वाले दिनों में दिल्ली में वायु गुणवत्ता परिदृश्य में और सुधार लाने के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे।

चरतीलाल गोयल की 98वीं जयंती पर बेटे विजय गोयल एवं सांसद बिधूड़ी ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष स्व. चरतीलाल गोयल की 98वीं जयंती लालकिले के सामने उनकी स्मृति में बने चरतीलाल गोयल पार्क में मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल और दक्षिणी दिल्ली सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। विजय गोयल ने अपने पिता चरतीलाल गोयल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका पार्टी कार्यालय चांदनी चौक में था और इस क्षेत्र का विकास उनका सपना था। दक्षिणी दिल्ली सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि प्रथम विधानसभा के सदस्य के रूप में उन्हें चरतीलाल गोयल के सान्निध्य में काम करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि गोयल ने दिल्ली विधानसभा में सार्थक और निष्पक्ष चर्चा की एक अनूठी परंपरा स्थापित की, जो आज भी प्रेरणादायी है। समारोह में पूर्व महापौर जयप्रकाश (जेपी) और चांदनी चौक भाजपा जिला अध्यक्ष अरविंद गर्ग सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि, 1975 में आपातकाल के दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। यह आयोजन चरतीलाल गोयल के दिल्ली के प्रति समर्पण और उनकी विरासत को सम्मान देने का एक सार्थक प्रयास रहा।

सूरत में टेक्सटाइल मिल में बॉयलर फटने से भीषण आग, 2 की मौत

15 से अधिक मजदूर झुलसे

एजेंसी

सूरत। सूरत जिले के पलसाणा में सोमवार शाम बड़ा हादसा हो गया। संतोष टेक्सटाइल मिल में काम के दौरान अचानक बॉयलर का ड्रम फटने से भीषण आग लग गई। इस हादसे में 2 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बारडोली फायर विभाग की 8 से 10 दमकल गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कार्रवाई शुरू की। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिल में आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोनल मानसिंह की 'द जिगजैग माइंड' का संशोधित संस्करण लॉन्च, रामनाथ कोविंद ने की प्रशंसा

एजेंसी

नई दिल्ली । देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने प्रख्यात नृत्यांगना और लेखिका सोनल मानसिंह की पुस्तक द जिगजैग माइंड के संशोधित संस्करण के विमोचन अवसर पर कहा कि सफलता का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। इसके लिए जिगजैग संघर्ष करना पड़ता है, जिसमें कभी दाएं, कभी बाएं, कभी ऊपर, तो कभी नीचे जाना होता है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले और आईजीएनसीए के सचितानंद जोशी भी उपस्थित थे।

कोविंद ने कहा कि यह पुस्तक न केवल सोनल मानसिंह की कला साधना का प्रतीक है, बल्कि उनकी जीवन यात्रा और संघर्ष की कहानी भी बयां करती है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक का पहला संस्करण 2022 में लॉन्च हुआ था, जिसे खूब सराहना मिली थी। कोविंद ने कामना की कि संशोधित संस्करण को इससे भी अधिक सफलता मिले। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोनल मानसिंह के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि जब वे राष्ट्रपति थे, तब उन्होंने सोनल मानसिंह को राज्यसभा सांसद के लिए मनोनीत किया था। उनकी प्रोफाइल देखकर वे आश्चर्यचकित हुए थे कि ऐसी साधना करने वाली शख्सियतें आज भी देश में मौजूद हैं।

कोविंद ने कहा कि सोनल मानसिंह ने उनसे आग्रह किया था कि उनकी योग्यता और साधना को उनकी प्रोफाइल के माध्यम से जाना जाए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने सोनल मानसिंह की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सोनल मानसिंह एक नृत्यांगना के रूप में जानी जाती हैं, लेकिन उनकी विद्वता इतनी गहन है कि वे किसी भी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बन सकती हैं। होसबले ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत सोनल जैसे व्यक्तियों के हाथों में सुरक्षित है। वे न केवल महाभारत और भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं की गहरी जानकार हैं, बल्कि कन्नड़, मराठी सहित कई भाषाओं में भी पारंगत हैं। उनकी पुस्तक में ज्ञान और अनुभव का अनूठा संगम है, जो पाठकों को भारतीय संस्कृति की गहराई से परिचित कराता है। होसबले ने कहा कि सोनल मानसिंह अपनी कला और लेखन के माध्यम से भारतीय संस्कृति को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं। उनकी पुस्तक के विभिन्न अध्याय भारतीय संस्कृति, कला और जीवन दर्शन के गहन पहलुओं को उजागर करते हैं। यह पुस्तक पाठकों को न केवल प्रेरित करती है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को समझने का एक नया दृष्टिकोण भी प्रदान करती है।

कैथल में 7 सितंबर को होगी जननायक जनता पार्टी की बड़ी जनसभा

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा करेंगे शिरकत

कैथल (कृष्ण प्रजापति): जननायक जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी की बैठक पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष अवतार सिंह चीका की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी 7 सितंबर को कैथल में आयोजित होने वाली जनसभा की तैयारियों को लेकर रहा, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा शिरकत करेंगे। बैठक में जिला अध्यक्ष अवतार सिंह चीका ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता ही संगठन की मजबूती का आधार है। उन्होंने बताया कि 7 सितंबर को सुबह 11 बजे आर.के.एम. पैलेस, कैथल में आयोजित जनसभा में प्रदेश के कोने-कोने से लोग पहुंचेंगे।

उन्होंने कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि वे घर-घर जाकर कार्यक्रम का प्रचार करें और ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को जनसभा तक पहुंचाएं ताकि पार्टी नेतृत्व के हाथ मजबूत हों। इस दौरान पार्टी के सदस्यता अभियान और संगठन विस्तार पर भी चर्चा की गई। साथ ही आने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी हल्का अध्यक्षों और प्रदेश कार्यकारिणी पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने आश्वासन दिया कि वे इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे। इस अवसर पर चंद्रभान दयोरा, बलवान कोटड़ा, सेवा सिंह बालू, सतबीर मलिक, विक्रम म्योली, हरपाल सिंह विर्क, अनिल चौधरी, विजय सैनी, जगदीश दुब्बल, राममेहर प्योदा, सूबे सिंह कुराड़, राजेश राणा, रमेश संगरौली, कपिल शर्मा, जसबीर गढ़ी, रतन सिंह चंदाना, प्रदीप बनवाला, गुरुदेव बलबेड़ा, शिल्लू रिवाड़, सुरेंद्र वाल्मीकि, ओमपाल ढांडा कौल, प्रदीप कादियान, कुलदीप शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

7 सितंबर की यह जनसभा जेजेपी के लिए आगामी राजनीतिक गतिविधियों की दिशा तय करने में अहम मानी जा रही है।

गलत मैटेरियल लगाने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध किया

पातेपुर प्रखंड क्षेत्र के मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम से बने सड़क के बनने के एक सप्ताह के अंदर ही उखड़ने लगे गिट्टी बालू। पातेपुर विधायक लखेंद्र पासवान ने किया था शिलान्यास। एक सप्ताह के अंदर बने ग्रामीण सड़क की स्थिति खराब होने पर नाराज ग्रामीण। संवेदक, इंजीनियर एवं अन्य पर घटिया मैटेरियल लगाने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी अनुसार पातेपुर प्रखंड क्षेत्र के मालपुर में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा बनाए गए लगभग दो किलोमीटर लंबी पी सी सी सड़क में घटिया मैटेरियल लगाने पर ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने कहा कि विगत 20अगस्त से सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया। रॉ मैटेरियल में गड़बड़ी पाने पर कुछ ग्रामीणों ने विरोध जताया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व विधायक लखेंद्र पासवान के शिलान्यास के कुछ दिनों बाद बनाना शुरू हो गया। पी सी सी सड़क निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा गलत मैटेरियल लगाने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध किया। तेज बारिश में सड़क का निर्माण नहीं करें। बाद में स्थानीय ग्रामीणों को ही परेशानियां होती है।लेकिन मौके पर पहुंचे विभाग के अधिकारी और कर्मचारी ने आकर आक्रोशित लोगों को शांत कर अच्छा काम का आश्वासन देने के बाद बना कर चल गए। सड़क के निर्माण के एक सप्ताह नहीं हुआ। सड़क के निर्माण में लगे बालू पत्थर अलग होना चालू हो गया है। सड़क निर्माण में भारी अनियमितता को उच्च स्तरीय अधिकारी से जांच कराने की मांग किया है। इस मौके पर रमाकांत तिवारी सत्यनारायण तिवारी सतनारायण सिंह विजय कुमार सिंह धर्मनाथ सिंह सुनील कुमार तिवारी संतोष तिवारी पमपम तिवारी पंकज तिवारी अरुण तिवारी ललित ललित तिवारी अमरेश तिवारी राजबली तिवारी अशोक तिवारी विभिन्न तिवारी नवीन तिवारी अशोक तिवारी ग्रामीण मौजूद थे।

तेजा दशमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, बाकरा में झंडी यात्रा और तेजा गायन के साथ भरा गया मेला

सुरज वर्मा

भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा, फुलिया कलां, बासेडा, शक्करगढ़ में तेजा दशमी के पावन अवसर पर बाकरा सहित आस पास के गावो में मंगलवार को तेजाजी के थानकों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा भक्तों ने पूजा-अर्चना की, मन्नतें मांगी और तेजाजी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया गांव में पारंपरिक तेजा गायन हुआ और श्रद्धालुओं ने मिलकर झंडी यात्रा निकाली। इस अवसर पर बारह खेड़ा सहित आस-पास के गांवों के भक्त बड़ी संख्या में शामिल हुए। बाकरा और नजदीकी गांवों से भी श्रद्धालु पहुंचे और मेले का आनंद लिया।स्थानीय युवाओं ने व्यवस्था संभाली और दिनभर भजन-कीर्तन में सहयोग दिया। अच्छी बारिश होने के बाद ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला।इस मौके पर डसिया काटने की रस्म भी निभाई गई।

उप सरपंच सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और यह पर्व ग्रामीणों में लोक देवता के प्रतिआस्था व सामाजिक एकता का प्रतीक है

माँ के अपमान पर जयपुर भाजपा ग्योंग की सरपंच मंजीत कौर निलंबित, अवैध कब्जों और अनियमितताओं पर गिरी गाजने भारी हुंकार

कैथल (कृष्ण प्रजापति): गांव ग्योंग की महिला सरपंच मंजीत कौर पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उपायुक्त ने यह कदम पंचायत भूमि की बोली न करवाने, अवैध कब्जों और कार्यप्रणाली में अनियमितताओं के आरोपों की पुष्टि के बाद उठाया।

शिकायत और जांच

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सरपंच ने चुनावी शपथ पत्र में यह जानकारी दी थी कि उनके पास पंचायत भूमि पर कोई कब्जा नहीं है लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि उनके परिवार द्वारा पंचायत की जमीन पर कब्जा किया गया है और अवैध निर्माण भी करवाया गया है। इतना ही नहीं, बिजली विभाग के

बकाया न भरने, गलत पते व मतदाता सूची में गड़बड़ी जैसे मामले भी सामने आए।

जिला उपायुक्त कार्यालय को मिली शिकायत पर अतिरिक्त उपायुक्त कैथल ने जांच की। रिपोर्ट में आरोप सही पाए जाने और निजी सुनवाई के दौरान संतोषजनक जवाब न मिलने पर हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 51(1) के तहत मंजीत कौर को पद से हटा दिया गया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि वे अब किसी भी पंचायत बैठक या कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकतीं और सभी दस्तावेज व संपत्ति तुरंत पंचायत सचिव को सौंपें।

दो सदस्यीय कमेटी गठित, एक सप्ताह में पेश करेगी रिपोर्ट

उपायुक्त ने मामले की गहन जांच के लिए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी और जिला राजस्व अधिकारी की दो सदस्यीय कमेटी गठित की है, जो एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करेगी। पंचायत के कामकाज में बाधा न आए, इसके लिए बहुमत वाले पंच को अस्थायी तौर पर सरपंच के अधिकार दिए गए हैं।

जांच के दौरान नहीं किया सहयोग : डीडीपीओ

जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी रितु लाठर ने कहा कि सरपंच के खिलाफ अवैध कब्जे सहित कई अनियमितताओं की शिकायतें थीं। जांच के दौरान उन्होंने सहयोग नहीं किया। इसी कारण निलंबन की कार्रवाई की गई है।

अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली : मंजीत कौर

वहीं, सरपंच मंजीत कौर ने इन आरोपों से इंकार किया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है और न ही ग्राम सचिव या बीडीपीओ की ओर से सूचना दी गई है।

जीविका दीदीयों एवं विधायक लखेंदर पासवान के साथ ही बीडीओ एवं भाजपा के नेताओं एवं कार्यकताओं ने सुना

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा शुभारंभ किए जाने के बाद प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का लाइव प्रसारण पातेपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में जीविका दीदीयों एवं विधायक लखेंदर पासवान के साथ ही बीडीओ एवं भाजपा के नेताओं एवं कार्यकताओं ने सुना। लाइव प्रसारण के समापन के बाद विधायक लखेंदर पासवान ने उपस्थित जीविका दीदीयों एवं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बिहार की माताओं, बहनों के लिए एक नए युग की शुरूआत है।अब जीविका से जुड़ी बहनों को गांव गांव में आसानी से आर्थिक सहयोग मिलेगा इससे वह अपने कार्य एवं व्यवसाय को और आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर हो सकेंगी। विधायक ने प्रत्येक परिवार के एक महिला को सरकार के द्वारा दिए जाने वाले दस हजार रुपए का आवेदन करने का आह्वान किया एवं बिचौलिए से दुर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि लाभुकों के खाते में दस हजार की राशि जाएगी इसमें अगर कोई बिचौलिया पैसा की मांग करें तो उसकी शिकायत वह उनसे करें।

इस अवसर पर बीडीओ दीपक कुमार सिंह, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील कुशवाहा, पप्पु कुशवाहा, मुन्नी पटेल, कुन्दन सिंहा, अभिषेक गुप्ता, राजु शर्मा आदि के साथ ही भारी संख्या में जीविका दीदी उपस्थित रहीं ।

कैथल में शुरू हुआ गांव-गांव स्वच्छता महाअभियान, बीडीपीओ अनु टांक ने दिए सख्त निर्देश

कैथल (कृष्ण प्रजापति): स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जिले में स्वच्छता को लेकर विशेष कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) कैथल अनु टांक ने सभी ग्राम सचिवों और सरपंचों को गांव-गांव में स्वच्छता अभियान को प्रभावी ढंग से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी गांवों में सफाई व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सभी ग्राम सचिव और सरपंच सक्रिय रूप से सफाई कार्य करवा रहे हैं तथा इसकी जीपीएस लोकेशन

सहित फोटो और रिपोर्ट प्रतिदिन बीडीपीओ कार्यालय कैथल में भेजनी सुनिश्चित है।

बीडीपीओ अनु टांक ने साफ किया कि स्वच्छता कार्य की निगरानी और मॉनिटरिंग के लिए अलग-अलग गांवों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी।

जारी सूची के अनुसार, जिले की 62 ग्राम पंचायतों में जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। प्रत्येक गांव के लिए एक-एक ग्राम सचिव और नोडल अधिकारी को नियुक्त किया गया है ताकि अभियान का संचालन सुचारू रूप से हो सके। अनु टांक ने अपने संदेश में कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। गांव-गांव स्वच्छता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी, कर्मचारी और पंचायत प्रतिनिधि जिम्मेदारी और लगन के साथ इस कार्य को अंजाम दें ताकि कैथल जिले को स्वच्छ और स्वस्थ बनाया जा सके।

10 लीटर देसी शराब के साथ एक गिरफ्तार

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर । बलिगांव थाने के बेला संधान गांव से छापामारी कर पुलिस ने घर के अंदर देसी शराब बना रहे युवक को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए युवक उक्त गांव का जवाहर चौधरी के पुत्र मिथलेश कुमार के रूप में पहचान की गई है।गिरफ्त युवक के घर से 10 लीटर देसी शराब बरामद हुए।इसके साथ देसी शराब बनाने के उपकरण भी पुलिस जप्त कर थाने ले गई है।पुलिस ने पकड़े गए युवक को न्यायिक हिरासत में हाजीपुर ले गई।

जन सुराज ने की प्रखंड स्तरीय बैठक

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

जन सुराज पार्टी की प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर सर्व सम्मति से प्रखंड अध्यक्ष मो अहसान अली महिला अध्यक्ष अनामिका देवी एवं युवा अध्यक्ष प्रभास कुमार आदि घोषित किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से अमर कुमार सिंह जिला अध्यक्ष संजू देवी जिला महिला अध्यक्ष, विनय कुमार झा जिला उपाध्यक्ष, राजदेव ठाकुर, राज्य कोट कमिटी सदस्य अरविंद राय जिला महा सचिव, वैद्यनाथ चौधरी, जिला अभियान समिति संयोजक इंद्र भूषण सिंह चुनाव प्रवेक्षक, इंद्रजीत प्रधान अनुमंडल अध्यक्ष , लालदेव कुशवाहा जिला चुनाव प्रभारी, राकेश रंजन बुद्धिजीवी जिला अध्यक्ष , रमेश कुमार जिला सचिव, डॉ शेखर यादव प्रखंड महासचिव, मो निजाम, रेयाज अहमद, संतोष झा, आदि मौजूद थें।

बालाजी गौवंश हेल्पलाइन टीम ने की पैदल यात्रियों की सेवा

सुरज वर्मा

कोटड़ी में भादवा माह में पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए बालाजी गौवंश हेल्पलाइन टीम द्वारा कोटड़ी चारभुजा नाथ जी जलझूनी ग्यारस के पावन पर्व जल सेवा और केले का वितरण किया गया। इस दौरान टीम ने राहगीरों और श्रद्धालुओं को ठंडा पानी पिलाया तथा श्रद्धालुओं को ऊर्जा बनाए रखने के लिए केले, बिस्किट और सेगारी नमकीन वितरित किए।

भीलवाड़ा जिलाअध्यक्ष अभिषेक सिंह जी ने बताया कि यह आयोजन पिछले वर्ष भी किया गया था जिसमें वक्फ बोर्ड हटाओ अभियान भी जोर शोर से चल था और आगे भी हर वर्ष जारी रहेगा। उनका उद्देश्य यह है कि तपती धूप और थकान से जूझ रहे यात्रियों को राहत और धर्म हित के प्रति जागरूकता मिल सके।

बालाजी गौवंश हेल्पलाइन न केवल धार्मिक आयोजनों में सेवा करती है, बल्कि सालभर अनाथ और बीमार गौवंश की देखभाल, उपचार और चारे की व्यवस्था जैसे कार्य भी करती है। टीम समय-समय पर ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान और गौ-सेवा संबंधी कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। इस अवसर पर ग्रामीणों और यात्रियों ने हेल्पलाइन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सेवाएं समाज में सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देती हैं।

जिलाअध्यक्ष अभिषेक सिंह जी, नगर अध्यक्ष अजीत सिंह, शाहपुरा जिलाअध्यक्ष राजेश जी, पंकज जी सेन, किशन जी सेन, मनोज जी सेन, सुनील जी सेन, राजू जी वैष्णव, प्रकाश जी कुम्हार, भजन कलाकार बबलू जी प्रजापत, केसरी जी गुर्जर आदि गोभक्त मौजूद रहे

भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचा रहें हैं अतुल चौहान

कमालगंज वार्ड न0 4 से जिला पंचायत सदस्य पद के भाजपा से संभावित भावी उम्मीदवार अतुल चौहान को निरन्तर क्षेत्र के बुजुर्गों और युवाओं का आशीर्वाद और प्यार मिल रहा है ।प्रतिदिन लगातार क्षेत्रीय देव तुल्य जनता जनार्दन से संवाद के साथ हर दिन हर घड़ी जनता जनार्दन के साथ बिता रहें अतुल चौहान को अब क्षेत्रीय जनता अपनी दिल की बात , उम्मीदें और अपेक्षाएं, आवश्यकताएं बता रही है। निरन्तर सम्पर्क में रहने से युवाओं के साथ ही अब बुजुर्गो पर अपनी पकड़ मजबूत करके बुजुर्गों की भी पहली पसंद बन गए हैं भाजपा नेता अतुल चौहान। अतुल चौहान जिस गांव मजरे में जाते हैं वहां के युवा और बुजुर्ग तथा माताएं और बहने बच्चे उनका खुलकर स्वागत कर रहे हैं क्षेत्रवासी उनकी एक झलक पाने को उतावले नजर आ रहे हैं। दिन प्रतिदिन क्षेत्रीय जनता अतुल चौहान के साथ मजबूती से जुड़ रही है।जिला पंचायत फरुर्खाबाद की सबसे बड़ी इस सीट से लगभग एक दर्जन भावी उम्मीदवार हैं लेकिन क्षेत्रीय जनता के दिलों में अतुल चौहान हैं। शेष संभावित प्रत्याशी आरक्षण और अपनी - अपनी पार्टी से समर्थन पत्र पाकर जनता के बीच आएगें ।

श्री चौहान ने हमारे संवाददाता के साथ हुई बातचीत में कहा कि किसी भी सफलता के लिए माताओं - बहनों, वुजुर्गों और व्राह्मण जनों के साथ समाज के सभी वर्गों का आशीर्वाद और सहयोग अनिवार्य है।

शाहपुरा थाने में पुलिस उपाधीक्षक ओम प्रकाश विश्नोई के नेतृत्व में त्यौहारों को लेकर शांति समिति की बैठक

सुरज वर्मा

शाहपुरा 2सितंबर 2025। जल जुलनी एकादशी, ईद- ए झ मिलाद एवं अन्य त्यौहारों को लेकर मंगलवार को शाहपुरा थाने में पुलिस उपाधीक्षक ओम प्रकाश विश्नोई, थानाधिकारी सुरेश चंद्र एवं शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक हुई।

बैठक में बुधवार को नगर के विभिन्न मंदिरों से भगवान के बेवान पिवनिया तालाब पर जल विहार करने जायेंगे, वहीं 5 सितंबर शुक्रवार को बारावफात पर नई आबादी से जलसा निकला जाएगा। सदस्यों के सुझाव लेने के बाद सर्किल अधिकारी विश्नोई ने समिति के उपस्थित सदस्यों से आगामी त्यौहारों की रूपरेखा व्यवस्थाओं, कार्यक्रमों के समय आदि सभी जानकारी साझा करते हुए सदस्यों एवं नगरवासियों से त्यौहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से और भाईचारे के साथ मनाने, जुलूसों, आयोजनों के दौरान प्रशासन और पुलिस का सहयोग करने, किसी भी अफवाह या विवाद से बचने और आपसी सहयोग से इन पवित्र अवसरों को यादगार बनाने की अपील की। किसी भी तरह की अफवाह या भड़काऊ गतिविधियों से बचने की भी सलाह दी। इस मौके पर शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

आरआर केबल प्रेजेंट्स बेटी प्रीमियर लीग की हुई ट्रॉफी लॉन्चिंग

जयपुर। बेटियों को क्रिकेट खेल में बढ़ावा देने और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के सशक्त संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राइसा इवेंट द्वारा आयोजित 'आरआर केबल प्रेजेंट्स बेटी प्रीमियर लीग' की ट्रॉफी लॉन्चिंग मंगलवार को धूलेश्वर गार्डन स्थित होटल श्री रेजिडेंसी में हुई। राइसा इवेंट्स के डायरेक्टर रमेश सारडा, अमित बोकाडिया और आरआर केबल के जनरल मैनेजर अजय कुमार ने ट्रॉफी का अनावरण किया। यह पहल बेटियों को सशक्त बनाने और उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए की गई है। इस अवसर पर बॉम्बे हॉस्पिटल के मैनेजर अभिषेक चौधरी, नेपच्यून हॉलिडे से पंकज बागड़ी, लाल कांदा से अंकुर शर्मा, विशाल बोकाडिया, मनीष गोदिका, मनोज शर्मा श्री रेजिडेंसी, क्रिकेट कोच एस.एस. भाटी, एन.आर. गोरा, रफीक जोया, भिंडा रियल एस्टेट के डायरेक्टर नंदकिशोर भिंडा व निरुपमा भिंडा मौजूद थे। आठों टीम के कैप्टन ने बेटी प्रीमियर लीग की जर्सी भी लॉन्च की कार्यक्रम आयोजक रमेश सारडा और अमित बोकाडिया ने बताया कि यह लीग 13 और 14 सितंबर 2025 को जयपुरिया क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित होगी।

तेजा दशमी पर सोडाला में निकली विशाल ध्वज यात्रा

जयपुर

लोक देवता वीर शिरोमणि तेजाजी महाराज का बलिदान दिवस भाद्रपद शुक्ल दशमी मंगलवार को तेजा दशमी के रूप में भक्तिभाव से मनाया गया। इस अवसर पर सोडाला के रामनगर विस्तार स्थित गुरुदास रोड से गाजे-बाजे और जयकारों के साथ चतुर्थ ध्वज यात्रा निकाली गई, जो मुख्य सोडाला स्थित श्री तेजाजी मंदिर तक पहुंची संतों-महंतों के सान्निध्य में निकली इस ध्वज यात्रा में सर्व समाज के लोगों ने

भागीदारी कर सामाजिक समरसता और एकता का संदेश दिया ध्वज यात्रा के संयोजक गौरव गुर्जर ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ ध्वज पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी तथा विशिष्ट अतिथि राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष कालू लाल गुर्जर, हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य, श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर (रामनगर, सोडाला) के महंत अवधेशदास महाराज, भाजपा जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल एवं भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची उपस्थित रहे संयोजक गौरव गुर्जर ने सभी अतिथियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया यात्रा के दौरान वीर तेजाजी महाराज के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर ध्वज यात्रा का स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का लाइव प्रसारण

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा शुभारंभ किए जाने के बाद प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का लाइव प्रसारण पातेपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में जीविका दीदीयों एवं विधायक लखेंदर पासवान के साथ ही बीडीओ एवं भाजपा के नेताओं एवं कार्यकताओं ने सुना। लाइव प्रसारण के समापन के बाद विधायक लखेंदर पासवान ने उपस्थित जीविका दीदीयों एवं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बिहार की माताओं, बहनों के लिए एक नए युग की शुरूआत है।अब जीविका से जुड़ी बहनों को गांव गांव में आसानी से आर्थिक सहयोग मिलेगा इससे वह अपने कार्य एवं व्यवसाय को और आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर हो सकेंगी। विधायक ने प्रत्येक परिवार के एक महिला को सरकार के द्वारा दिए जाने वाले दस हजार रुपए का आवेदन करने का आह्वान किया एवं बिचौलिए से दुर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि लाभुकों के खाते में दस हजार की राशि जाएगी इसमें अगर कोई बिचौलिया पैसा की मांग करें तो उसकी शिकायत वह उनसे करें।

इस अवसर पर बीडीओ दीपक कुमार सिंह, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील कुशवाहा, पप्पु कुशवाहा, मुन्नी पटेल, कुन्दन सिंहा, अभिषेक गुप्ता, राजु शर्मा आदि के साथ ही भारी संख्या में जीविका दीदी उपस्थित रहीं ।

मुख्यमंत्री ने ली राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर, 2 सितंबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गुड गवर्नेन्स के मानकों पर खरा उतरते हुए आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारी उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही, संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए, जिससे विकास कार्यों का लाभ लोगों को समय पर मिल सके। श्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में किसानों को स्वयं फसल गिरदावरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एग्रीस्टेक मोबाईल ऐप विकसित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए इस ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

गांव चलो अभियान से ग्रामीणों तक सुलभ होंगी सरकारी सेवाएं

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन ह्यगांव चलो अभियानह्न संचालित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों के सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण आदि लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति अभियान के लाभों से वंचित ना रहे।

पुराने भवनों की मरम्मत करें, गुणवत्ता का रखें ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी गत दो वर्ष के बजट में घोषित भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करें। साथ ही नियमित निगरानी कर इनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने भवनों का भी आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण एवं मरम्मत की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके। श्री शर्मा ने कहा कि जैसलमेर जिले के सामान्य आवंटन के लंबित आवेदनपत्रों के निस्तारण के लिए योजना बनाई जाए, साथ ही 15 दिन का अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन कर नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना के माध्यम से किसानों के आधार नम्बर को राजस्व रिकॉर्ड के साथ मेपिंग का कार्य समस्त जिलों में प्रारम्भ कर दिया गया है। अब तक 87 प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 48 हजार 463 गांवों की जिओ रेफरेंस शीट फाइल भू-नक्शा पोर्टल पर अपलोड कर 4.49 करोड़ यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नम्बर

जारी किए जा चुके हैं।

बैठक में राजस्व न्यायालयों के लिए रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम, राजस्व इकाइयों का पुर्नगठन, पूर्णकालिक सरकारी अधिवक्ताओं को रिटेनर शुल्क, उपनिवेशन क्षेत्र में भूमि आवंटन की दर में परिवर्तन, ग्राम दान एवं भूदान अधिनियम सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

गुलाब वाटिका, निमेड़ा का संपत्ति दस्तावेज (पट्टा) गुम, थाने में ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज

अजय सिंह (चिंटू)

जयपुर - गुलाब वाटिका कॉलोनी, निमेड़ा स्थित प्लॉट नंबर 05 का संपत्ति दस्तावेज (पट्टा) गुम हो गया है। गुमशुदा दस्तावेज से संबंधित प्लॉट मुकेश प्रजापत पुत्र प्रभुराम एवं भूली देवी पत्नी प्रभुराम, सूरजपोल का है। जानकारी के अनुसार, यह पट्टा सूरज पोल गेट ग्रीन विकास सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर (पंजीयन संख्या 2235 छ) द्वारा जारी किया गया था। दस्तावेज खोने के बाद मालिक पक्ष ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करवाई है। मामले की रिपोर्ट थाना पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज कर ली गई है। अब संबंधित पक्ष ने आमजन और अधिकारियों को सूचित किया है कि यदि किसी के पास उक्त दस्तावेज मिलता है तो उसकी जानकारी पुलिस या प्लॉट मालिक को दी जाए।

जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस-प्रशासन का फ्लैग मार्च, शांति-सौहार्द बनाए रखने की अपील

बारां, राजस्थान

बारां, 2 सितम्बर। आगामी त्यौहारों एवं सामाजिक आयोजनों को देखते हुए मंगलवार को जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस एवं प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिवांशु शर्मा सहित बड़ी संख्या में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने मुख्य मार्गों एवं भीड़-भाड़ वाले इलाकों में गश्त कर लोगों से संवाद स्थापित किया और शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। जिला कलक्टर ने आमजन से कहा कि त्योहारों के इस मौसम में सभी धर्मों एवं वर्गों के लोग आपसी भाईचारे और सद्भाव की मिसाल कायम करें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाने की जानकारी भी दी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना जगाना और असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश देना है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि आगामी दो महीनों में प्रमुख पर्वों का आयोजन होगा। वहीं 3 सितम्बर बुधवार से हाड़ौती का प्रसिद्ध डोल मेला प्रारंभ हो रहा है, जिसके चलते जिले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की आवाजाही रहेगी। प्रशासन ने इसके लिए भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

कांटिया में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, धूमधाम से भरा वीर तेजाजी महाराज का विशाल मेला

दांतारामगढ़ के कांटिया गांव में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मंगलवार को

श्री वीर तेजाजी महाराज का विशाल मेला श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण डीजे की धुन पर नाचते-गाते पदयात्रा के रूप में मंदिर पहुंचे। दोपहर तक मंदिर परिसर में भक्तों की आवक का सिलसिला जारी रहा। दिनभर मंदिर में चहल-पहल और रौनक बनी रही। इस अवसर पर मंदिर परिसर में बने हवन कुंड का शुभारंभ अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया। गाबली बाबा धाम के रमाकांत पारीक ने मंदिर परिसर में टेंट सेट लगाने की घोषणा की। सीकर के सांसद अमराराम ने भी तेजा बाबा के दर्शन करके सुख समृद्धि की कामना की मेले में हॉट बाजार की दुकानें भी सजाई गईं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्री वीर तेजा सेवा समिति कांटिया की ओर से जगह-जगह पंडालों में पेयजल की व्यवस्था की गई तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। मेले में विशाल भंडारे का भी आयोजन हुआ। समिति की ओर से दूर-दराज से आए भक्तों का स्वागत सत्कार किया गया। इस मंदिर में जो भी भक्त अपनी अरदास लेकर आता है बाबा उनके मनोकामना जल्दी पूर्ण करते हैं

मेले से पूर्व आयोजित विशाल भजन संध्या में सुप्रसिद्ध कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर भक्तिमय वातावरण बना दिया। सीकर के सांसद अमराराम ने भी तेजा बाबा के दर्शन करके सुख समृद्धि की कामना की मंदिर पुजारी महावीर सिंह शेखावत ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान हजारों की संख्या में तेजा भक्त मौजूद रहे।

माँ के अपमान पर जयपुर भाजपा ने भारी हुंकार

मां के अपमान पर जयपुर की नारी चुप नहीं रहेगी। मां सीता का अपमान होने पर सोने की लंका को जला दिया गया। मां को भरी सभा में घसीटा गया, तो महाभारत हुई। एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री की मां का अपमान हुआ है और यह प्रधानमंत्री की मां का नहीं, बल्कि हर भारतवासी की मां का अपमान है

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से मंगलवार को छोटी चौपड़ पर विशाल धरना व राहुल गांधी व तेजस्वी यादव पुतला दहन किया गया। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पूज्य माता जी के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों के खिलाफ 3 घंटे चले इस धरने में भाजपा के सभी कार्यकर्ता विधायक व अन्य नेताओं ने अपने भाषण में राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की तीखी आलोचना की। हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने भारत मां के जयकारे लगाए और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। जयपुर जिला अध्यक्ष श्री अमित गोयल ने अपने जोशीले सम्बोधन में कहा कि राहुल गांधी द्वारा कहे गए अपशब्द केवल एक माता का नहीं, बल्कि समस्त मातृ शक्ति एवं भारतीय संस्कारों और संस्कृति का अपमान है। उन्होंने कहा कि माँ का अपमान कांग्रेस की पहचान है। मां के अपमान पर जयपुर की नारी चुप नहीं रहेगी। मां सीता का अपमान होने पर सोने की लंका को जला दिया गया। मां को भरी सभा में घसीटा गया, तो महाभारत हुई। एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री की मां का अपमान हुआ है और यह प्रधानमंत्री की मां का नहीं, बल्कि हर भारतवासी की मां का अपमान है। सनातन को मानने वाला चुप नहीं रहेगा। पुतला दहन के माध्यम से हम सभी को अपने अंदर की बुराई को मारना है और 2047 तक भारत को विकसित बनाना है। उन्होंने अपने भाषण से प्रत्येक कार्यकर्ता में जोश भर दिया और सभी को भारत माता के नारे लगवाए। धरने में जयपुर के विभिन्न कोनों से आई सैकड़ो की संख्या में नारी शक्ति भी उपस्थित रही। वे मां का अपमान कांग्रेस की पहचान, मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान लिखित तख्तियों के साथ धरने में शामिल हुई। इस अवसर पर अनेक विधायक और वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने भाषण में राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की घोर निंदा की। इस अवसर पर सिविल लाइन से विधायक श्री गोपाल शर्मा, हवामहल से विधायक बालमुकुंदचार्य जी, किशनपोल प्रत्याशी चंद्रमोहन बँटवाडा, महापौर कुसुम यादव जी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री अरुण चतुर्वेदी जी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी जी,भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, प्रदेश मंत्री अजीत माण्डन, प्रदेश कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता जी, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, अपूर्वा सिंह, राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, सहित अनेक पार्षद एवं मंडल अध्यक्ष, सही समस्त कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिसवन प्रखंड के बाबा महेंद्रनाथ सरोवर की बदहाली: धार्मिक आस्था और पर्यावरण खतरे में

सीवान संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान जिले के सिसवन प्रखंड में स्थित बाबा महेंद्रनाथ मंदिर से सटा हुआ ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का सरोवर इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्थानीय निवासी और श्रद्धालु प्रयाग कुमार द्वारा दायर एक परिवाद ने इस गंभीर समस्या को उजागर किया है। परिवाद में कहा गया है कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र यह सरोवर अत्यधिक प्रदूषण के कारण पूरी तरह से अनुपयोगी हो गया है, जिससे न केवल धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं, बल्कि स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। यह सरोवर बाबा महेंद्रनाथ मंदिर के बिल्कुल बगल में स्थित है और प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों श्रद्धालु इसी सरोवर के जल से बाबा का जलाभिषेक करते हैं। लेकिन, वर्तमान में सरोवर की स्थिति अत्यंत दयनीय है। इसका पानी पूरी तरह से प्रदूषित हो चुका है, जिससे न केवल जल बल्कि इसके आस-पास का वातावरण भी दूषित हो रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर न तो सरकार और न ही जिला प्रशासन कोई ध्यान दे रहा है। परिवाद के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, सिसवन को नोटिस जारी किया गया था। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अपने जांच प्रतिवेदन में बताया कि ग्राम पंचायत राज रामगढ़ के मुखिया ने पोखरे के सौंदर्यीकरण के लिए जिला पदाधिकारी, सिवान को पत्र लिखा है। साथ ही पर्यटन विभाग से भी इस विषय पर चर्चा की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है।

प्रतिवेदन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह पोखरा लगभग 200 बीघा में फैला हुआ है, और इसका जीर्णोद्धार पंचायत स्तर पर संभव नहीं है। इससे यह साफ हो जाता है कि यह मामला अब पर्यटन विभाग के पाले में है और इस पवित्र सरोवर के जीर्णोद्धार के लिए पर्यटन विभाग की पहल का इंतजार है।

समाधान की आवश्यकता

इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है। परिवाद में कुछ महत्वपूर्ण उपाय सुझाए गए हैं:

तत्काल सफाई: सरोवर से गाद, कचरा और अन्य प्रदूषक तत्वों को हटाकर इसकी तत्काल सफाई की जाए।

* जल शुद्धिकरण: वैज्ञानिक विधियों का उपयोग कर सरोवर के जल को शुद्ध किया जाए।
* संरक्षण: भविष्य में प्रदूषण को रोकने के लिए सरोवर के चारों ओर बाड़ लगाई जाए और इसके नियमित रखरखाव के लिए एक स्थायी तंत्र स्थापित किया जाए।

आसन्न विधान सभा आम निर्वाचन-2025 के निमित्त आयोजित मास्टर -प्रशिक्षकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन

सीवान संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान,02 सितंबर 2025 मंगलवार को आसन्न विधानसभा आम निर्वाचन- 2025 के निमित्त आयोजित मास्टर प्रशिक्षकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिला पदाधिकारी,सिवान डॉ आदित्य प्रकाश के द्वारा डॉ अंबेडकर भवन के संवाद कक्ष में किया गया। इस अवसर पर वरीय पहाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, सिवान, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, सिवान, सिविल सर्जन, सिवान एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना, सिवान उपस्थित रहें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, सिवान द्वारा प्रशिक्षण में भाग लेने वाले मास्टर प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में गंभीरता से भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के दिशा- निर्देशों को समझें। \ मतदान पदाधिकारी, मतगणना पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी एवं माइको प्रेक्षक की मतदान संचालन प्रक्रिया, ई ०वी० एम० का हैंड्स आन, विभिन्न प्रपत्रों को भरने की जानकारी, ऐप्स का सम्पूर्ण प्रशिक्षण आदि विधिवत देने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने मास्टर प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके प्रशिक्षण पर ही पूरी मतदान प्रक्रिया आश्रित है।

आसलपुर में तेजाजी महाराज का मेला: ध्वज यात्रा, ढोल-नगाड़े और भक्तों की उमड़ी आस्था

अजय सिंह (चिंटू)

आसलपुर

गाँव आसलपुर में वीर तेजाजी महाराज का पारंपरिक मेला बड़े उत्साह और भक्ति भाव से आयोजित किया गया। सुबह से ही भक्त मंदिर पहुँचकर तेजाजी महाराज के दर्शन करने लगे और घरों में बने पकवानों का प्रसादी भोग लगाया गया। खीर, पूड़ी, पुए, नारियल सहित पारंपरिक व्यंजन प्रसाद स्वरूप अर्पित किए गए। मेले की मुख्य आकर्षण ध्वज यात्रा रही, जो

भाखरो के घर से शुरू होकर पूरे गाँव में घूमती हुई तेजाजी मंदिर तक पहुँची। यात्रा में ढोल-नगाड़ों की थाप पर लोग नाचते-गाते और तेजा महाराज की जय के जयकारे लगाते आगे बढ़े। ध्वज यात्रा में जोत के साथ-साथ गाँववासियों का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। मेले में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और अन्य सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई। कमलेश भाखर ने बताया कि यह ध्वज यात्रा पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा है और हर साल पूरे गाँव को उत्सवधर्मी बना देती है। रामपाल भम्भोरिया ने कहा कि लोग सुबह से ही मंदिर में आकर प्रसाद चढ़ाते हैं और तेजाजी महाराज के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं। लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज को सत्यवीर और गौ-रक्षक माना जाता है। उनके जीवन की गाथा राजस्थान की लोकआस्था और संस्कृति में आज भी जीवंत है।

गंगासागर में तृणमूल कांग्रेस का विरोध मार्च, भाजपा पर बंगालियों के उत्पीड़न का आरोप

रमेश राय

गंगासागर/कोलकाता : अन्य राज्यों में बंगालियों के साथ हो रहे कथित अमानवीय अत्याचार और बंगला भाषा को कमजोर करने की साज़िश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने गंगासागर में जोरदार विरोध मार्च और सभा का आयोजन किया। मंगलवार शाम दक्षिण 24 परगना ज़िले के गंगासागर के रुद्रनगर क्षेत्र में निकाले गए इस विरोध मार्च का नेतृत्व पश्चिम बंगाल के सुंदरवन मामलों के मंत्री बंकिमचंद्र हाजरा ने किया। कार्यक्रम का आयोजन सागर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस की ओर से किया गया। इस अवसर पर सागर पंचायत समिति की

अध्यक्षा साबिना बीबी, उपाध्यक्ष स्वप्न कुमार प्रधान, ज़िला परिषद के सदस्य तथा गंगासागर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष संदीप कुमार पात्र सहित तृणमूल कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।सभा से तृणमूल नेताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा पर बंगालियों का अपमान करने, भाषा व संस्कृति को निशाना बनाने और राजनीतिक षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया।

(मौत का चौराया) खड़ी बस ओर रेहड़ी को बचाने के चक्कर में ट्रेलर डिवाइडर से टकराया

देश का दर्पण. दैनिक अखबार पत्रकार=..राकेश कोठेनिया हलेना

हलैना (भरतपुर.) जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर हलैना बस स्टैंड के पास मंगलवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। यहां खड़ी बस और रेहड़ी को बचाने के प्रयास में एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डिवाइडर पर लगी रेलिंग और सोलर लाइट क्षतिग्रस्त हो गई। हलैना थाना अधिकारी जगदीश चंद ने बताया कि ट्रेलर जयपुर की ओर से आ रहा था। हादसे के वक्त बस स्टैंड के पास कई रेहड़ियां खड़ी थीं। ट्रेलर के डिवाइडर से टकराते ही वहां मौजूद रेहड़ी वाले जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के चलते करीब 10 मिनट तक ट्रैफिक जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहनों को हटाकर आवागमन सुचारू कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हलैना बस स्टैंड के पास हाईवे पर आए दिन रेहड़ियों के खड़े होने से बसों और अन्य वाहनों को निकलने में परेशानी होती है।

प्रेमिका से मारपीट के आरोप में हेडमास्टर समेत प्रेमी शिक्षक गए जेल

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली= पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर । वैशाली जिले की पातेपुर थाने की बेसिक स्कूल बरडीहा में प्रेमिका के साथ मारपीट करने के आरोप में प्रेमी शिक्षक और उस विद्यालय के प्रभारी हेडमास्टर को गिरफ्तार कर पुलिस मंगलवार को हाजीपुर जेल भेज दिया।मिली जानकारी के अनुसार हाजीपुर के जढुआ के निवासी और पातेपुर थाने की बरडीहा बेसिक स्कूल के शिक्षक को उसी के मकान में रेंटर के रूप में रह रही बविता देवी नामक महिला से प्रेम प्रसंग चलने लगा।यह सिलसिला लगभग एक वर्ष तक चला।पीड़िता के अनुसार शिक्षक से चल रहा शारीरिक संबंध पर शिक्षक की पत्नी ने उक्त महिला पर केस कर दी।वह महिला चार माह था जेल में रही।फिर वह शिक्षक ने उस महिला को जेल से बाहर निकलवाया।तब से प्रेमी और प्रेमिका में फोन के माध्यम से संवाद चल रहा था।वह महिला तीन बच्चे की मां है।उसकी पति मरे हुए है।पीड़िता बबीता देवी के अनुसार बीते सोमवार को शिक्षक के बुलावे पर विद्यालय पर गई तो उसके साथ आरोप है कि आरोपित शिक्षक ने स्कूल पर ही पीड़िता के साथ मारपीट करने लगा।जिसमें उस विद्यालय के प्रभारी हेडमास्टर भी महिला के साथ मारपीट करने में उसके प्रेमी शिक्षक का साथ दे रहे थे ।घायल बबीता देवी ने तुरंत 112 की पुलिस को इस घटना की जानकारी फोन से दी।पुलिस विद्यालय पर आकर आरोपित प्रेमी शिक्षकआलोक आनंद और प्रभारी हेडमास्टर विपिन कुमार को गिरफ्तार कर थाने के गई।

बचाव कार्यों के बाद अब लोगों के पुनर्वास के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जाएँगे - कमल किशोर यादव

अजनला,02 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्यों में सहयोग हेतु पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा गठित एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति, जिसके सदस्यों में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री कमल किशोर यादव, श्री वरन रूजम और श्री बसंत गर्ग शामिल हैं, आज अजनाला पहुँची और राहत कार्यों में लगी टीमों के साथ विस्तृत बैठक की।

इस अवसर पर उपायुक्त श्रीमती साक्षी साहनी, जिला पुलिस प्रमुख श्री मनिंदर सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त श्री रोहित गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती अमनदीप कौर, अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती परमजीत कौर, एसडीएम गुर सिमरन सिंह ढिल्लों, सहायक आयुक्त श्री खुशदीप सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन द्वारा अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए श्री कमल किशोर यादव ने कहा कि आपके प्रयासों से कई बहुमूल्य जानें बच पाई हैं। उन्होंने कहा कि यह आपदा हमारी सोच से कहीं बड़ी थी, लेकिन समय पर टीमों के सक्रिय होने से बड़ी जनहानि टल गई है। श्री यादव ने कहा कि अब हमें राहत के साथ-साथ बचाव कार्य के बाद लोगों के पुनर्वास का भी काम करना है, इसलिए सभी विभाग अपने-अपने काम में जुट जाएं, जिसमें सड़कों, पुलों की मरम्मत, बिजली आपूर्ति बहाल करना, पेयजल आपूर्ति, चिकित्सा सहायता आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं राज्य सरकार से आपको आवश्यक सहायता दिलवाऊंगा। इसके अलावा, यदि आपको किसी अन्य जिले से स्टाफ या सहायता की आवश्यकता होगी, तो वह भी आपको तुरंत मिल जाएगी। इस अवसर पर श्री बसंत गर्ग ने कृषि विभाग को आगामी सीजन की तैयारी के लिए कार्य करने और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन विभाग भी यह सुनिश्चित करे कि पशुओं को किसी भी बीमारी के कारण कोई नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, खाद्य आपूर्ति विभाग क्षेत्र में डीजल, पेट्रोल और गैस की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करे और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी सुनिश्चित करे। इस अवसर पर, उपायुक्त श्रीमती साक्षी साहनी ने कहा कि हमने जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए क्षेत्र में चिकित्सा शिविर लगाने की योजना बनाई है, जो 24 घंटे चलेंगे। इसके अलावा, पशु चिकित्सा विभाग की 20 टीमें बनाई गई हैं, जो क्षेत्र में तैनात रहेंगी और पशुओं की देखभाल का काम करेंगी। सभी विभागों ने आश्वासन दिया कि वे बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए पूरी तत्परता से काम करेंगे और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि किसी को कोई समस्या न हो।

जिला कलेक्टर ने देखी जलभराव, फसलों के नुकसान और क्षतिग्रस्त सड़कों के हालात

देश का दर्पण.दैनिक अखबार पत्रकार.राकेश कोठेनिया हलेना

भरतपुर.=जिला कलक्टर कमर चौधरी ने मंगलवार को सेवर ब्लॉक के पीरनगर, पीपला और जघीना सहित आसपास के गांवों का दौरा कर खेतों में जलभराव, फसलों के नुकसान और क्षतिग्रस्त सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर भारी वर्षा से हुई दिक्कतों की जानकारी ली। उन्होंने जल संसाधन विभाग को खेतों में जमा

मध्य प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में किया है नवाचार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मप्र के दौरे पर दिल्ली से आया अवर सचिवों का दल, मुख्यमंत्री से भारत सरकार के अधिकारियों ने की भेंट

भोपाल/ब्यूरो। मध्य प्रदेश के प्रवास पर आए प्रधानमंत्री कार्यालय के अवर सचिव विनोद बिहारी सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों के 38 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को भोपाल स्थित मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के हृदय प्रदेश में सभी का स्वागत है। मध्य प्रदेश अनेक नवाचारों को अपनाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विकास के पैमानों पर कार्य कर रहा है। नागरिकों को स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न सुविधाएं दी जा रही हैं। आयुष्मान कार्डधारी और अन्य नागरिकों को आपातकाल में जीवन रक्षा के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। इसी तरह मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का कार्य निरंतर हो रहा है।

दिल्ली से आए प्रतिनिधि मंडल में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में कार्यरत अवर सचिव शामिल थे।

यह सभी अवर सचिव इस मिड कैरियर कोर्स के उपरान्त उप सचिव के पद पर पदोन्नत होंगे और अलग-अलग मंत्रालयों में उनकी पदस्थापना की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने तीन दिवसीय मध्य प्रदेश यात्रा में विश्व धरोहर स्मारक सांची (जिला रायसेन) और हिल स्टेशन पचमढ़ी (जिला नर्मदापुरम) का भ्रमण भी किया। भारत सरकार के अधिकारियों ने बताया कि वे मध्य प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक विरासत से प्रभावित हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत सरकार के अधिकारियों को जानकारी दी कि पीपीपी मॉडल के आधार पर जिला अस्पतालों का मेडिकल कॉलेज के रूप में उन्नयन कर आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस मॉडल की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए मात्र एक रुपये में 25 एकड़ भूमि के आवंटन, चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध करवाने और मेडिकल कॉलेज का प्रबंधन, प्राप्त शुल्क राशि से किए जाने की व्यवस्था की गई है। इस पहल का नागरिकों को व्यापक स्तर पर लाभ प्राप्त होगा।

मध्य प्रदेश के स्मारकों और मंदिरों की संरचना पर केंद्रित हैं नई दिल्ली के महत्वपूर्ण भवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि जहां राष्ट्रपति भवन का सेंट्रल डोम(मुख्य गुम्बद) सांची के स्तूप से प्रेरित है। वहीं पुरानी संसद भवन का आकल्पन मुरैना जिले के मितावली- पड़ावली स्थित 64 योगिनी मंदिर की तरह किया गया था।

नए संसद भवन की डिजाइन भी प्रदेश के विदिशा स्थित विजयपुर मंदिर की संरचना से मिलती जुलती है। इस तरह राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में महत्वपूर्ण भवनों के निर्माण में मध्य प्रदेश के स्मारकों और मंदिरों के अनुरूप आकल्पन प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने कहा कि भारत सरकार के यह सभी अधिकारी जनकल्याण की दृष्टि से विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण दायित्वों का

मध्य प्रदेश : गांधीसागर और कूनो बने इको-टूरिज्म व साहसिक पर्यटन के केंद्र

भोपाल/ब्यूरो। मध्य प्रदेश अब पर्यटन की दुनिया में नया अध्याय लिखने जा रहा है। यहां के घने जंगल, नदियों का सुकून और रोमांच से भरपूर गतिविधियां अब इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म के रूप में पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। प्रदेश के दो बड़े आयोजन, गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट को राज्य सरकार द्वारा इस साल खास अंदाज में तैयार किया गया है।

दरअसल, पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने सोमवार को पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी दी कि गांधीसागर और कूनो जैसे आयोजन केवल पर्यटन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ने वाले मंच साबित होंगे। यही वजह है कि गांधीसागर और कूनो अब इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहे हैं।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट 12 सितंबर से

चंबल नदी पर बने गांधीसागर डैम का बैकवाटर इलाका अब रोमांच का गढ़ बनने जा रहा है। यहां 12 सितंबर से गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का चौथा संस्करण शुरू होगा। मंदसौर जिले में होने वाला यह आयोजन पहले ही देश-विदेश के सैलानियों का ध्यान खींच चुका है।

इस बार यहां 50 लग्जरी ऑल सीजन टेंट सिटी बनाई गई है, जहां पर्यटक आधुनिक सुविधाओं के बीच जंगल और नदी का रोमांच महसूस करेंगे। इसके अलावा पैरासेलिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्की, जोरबिंग जैसी साहसिक गतिविधियां पर्यटकों का दिल जीतेंगी। बोट सफारी, बोट स्पा, जंगल सफारी और बटरफ्लाई गार्डन जैसे अनुभव भी पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य से जोड़ेंगे। वहीं, रॉक गार्डन और स्थानीय हस्तशिल्प पर आधारित कार्यशालाएं क्षेत्रीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर देंगी।

कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट 5 अक्टूबर से

श्योपुर जिले का कूनो राष्ट्रीय उद्यान, जहां हाल ही में चीता पुनर्वास का ऐतिहासिक क्षण देखा गया, अब इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक धरोहर का संगम प्रस्तुत करेगा। 5 अक्टूबर से कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट का दूसरा संस्करण यहां आयोजित होगा।

यहां 25 लग्जरी ऑल सीजन टेंट सिटी बनाई गई है। जंगल सफारी, नाइट वॉक और स्टार गेज़िंग जैसी गतिविधियां पर्यटकों को रोमांचक अनुभव देंगी। इसके साथ ही हॉट एयर बैलूनिंग, योग, ध्यान और वेलनेस सत्र से यह आयोजन वेलनेस टूरिज्म का नया केंद्र बनेगा। गांवों की झलक दिखाने वाले टूर, कला और शिल्प प्रदर्शन, लोक संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां पर्यटकों को स्थानीय जीवनशैली से जोड़ेंगी। वहीं, चीता इंटरप्रिटेशन सेंटर इस आयोजन का खास आकर्षण होगा, जो प्रदेश की वन्यजीव धरोहर की पहचान को और मजबूत करेगा।

पर्यटन बोर्ड का फोकस

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला का कहना है कि गांधीसागर और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट अनुभव-आधारित पर्यटन के शानदार उदाहरण हैं। यहां पर्यटक केवल घूमने नहीं आएंगे, बल्कि हर पल को जिएंगे। पैरासेलिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्की, जंगल सफारी, नाइट वॉक और स्टार गेज़िंग जैसी रोमांचक गतिविधियां उन्हें नए अनुभव देंगी। वहीं, योग और वेलनेस सत्र, स्थानीय व्यंजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रदेश की आत्मा से सीधा परिचय कराएंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि इन आयोजनों की रूपरेखा इस तरह तैयार की गई है कि पर्यटन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सतत विकास को प्राथमिकता मिले।

उद्देश्य और लाभ

गांधीसागर और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट के पीछे केवल मनोरंजन का विचार नहीं है। इन आयोजनों का उद्देश्य प्रदेश को एडवेंचर और वेलनेस टूरिज्म के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित करना है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के नए अवसर पैदा होंगे। स्थानीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ नई पीढ़ी में अपनी धरोहर और प्राकृतिक संपदा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि इन आयोजनों से प्रदेश में आने वाले सैलानियों की संख्या बढ़ेगी। खासकर वे पर्यटक, जो रोमांच और प्रकृति को करीब से महसूस करना चाहते हैं, अब मध्य प्रदेश को अपनी प्राथमिक सूची में शामिल करेंगे।

प्रदेश की पहचान बनेगा एडवेंचर टूरिज्म

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट जहां एडवेंचर टूरिज्म की पहचान मजबूत करेगा, वहीं कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन को नया आयाम देगा। यह पहल न केवल देशी पर्यटकों बल्कि विदेशी सैलानियों को भी आकर्षित करेगी। मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के अनुसार, "यह आयोजन प्रदेश के लिए गर्व का विषय हैं। इन्होंने मध्य प्रदेश को नई पहचान दी है और आगे यह हमारी अर्थव्यवस्था और संस्कृति दोनों को नई दिशा देंगे।"

भविष्य की मांग अनुसार मेडिकल कॉलेजों व संबद्ध अस्पतालों के उन्नयन की योजना बनाएं: शुक्ल

भोपाल/ब्यूरो। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को भोपाल स्थित मंत्रालय में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर तथा गजरा राजा मेडिकल कॉलेज ग्वालियर एवं जय आरोग्य अस्पताल के उन्नयन एवं विस्तार योजना की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय आवश्यकताओं और भविष्य की मांग को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों का विस्तार एवं उन्नयन आवश्यक है।

इसके लिए ठोस और व्यवहारिक योजना शीघ्र तैयार की जाये, ताकि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वर्तमान आधारभूत संरचनाओं की स्थिति का आकलन करने के लिए निर्माण एजेंसी और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम गठित कर विस्तृत निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर प्रस्ताव को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाये।

ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज और जय आरोग्य हॉस्पिटल की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीसीएचबी का उन्नयन कर इसे 200 बेड क्षमता का बनाया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि छात्रावास एक ही परिसर में निर्मित हों और उपलब्ध स्पेस का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने एमपीबीडीसी द्वारा तैयार किए गए विस्तार और पुनर्विकास मॉडल का अवलोकन भी किया और आवश्यक सुझाव दिए।

जबलपुर स्थित नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक की क्षमता 240 से बढ़ाकर 400 बेड की जाये। उन्होंने अस्पताल की कुल क्षमता को 1000 बेड तक विस्तार करने के निर्देश दिए। साथ ही चिकित्सकों और कार्मिकों के लिए आवासीय ब्लॉकों के निर्माण को भी योजना में शामिल करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अधोसंरचना विकास के साथ उसके रख-रखाव की व्यवस्था को भी प्रस्तावित योजना में सुनिश्चित किया जाये।

बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संचालक (प्रोजेक्ट) नीरज कुमार सिंह, एमपीबीडीसी के एमडी सिबी चक्रवर्ती सहित पीआईयू और एमपीबीडीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लैंड पुलिंग व सिंहस्थ के नाम पर किसानों का विस्थापन स्वीकार नहीं: भारतीय किसान संघ

जबलपुर/ब्यूरो। भारतीय किसान संघ के प्रचार प्रसार प्रमुख राघवेंद्र पटेल ने जबलपुर से जारी वक्तव्य में बताया कि उज्जैन सिंहस्थ के आयोजन की तैयारी के लिए जमीन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार लैंड पुलिंग एक्ट लेकर आई है और विधानसभा में जिस जल्दबाजी में संशोधन विधेयक लाकर सरकार ने पास कराया है। उस समय से ही सरकार की मंशा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे थे।

देश में किसानों के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों से चर्चा कर सुझाव भेजे थे।

भोपाल में भारतीय किसान संघ के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदेश बैठक में शामिल होने पहुंचे अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने मीडिया से चर्चा में बताया कि सैकड़ों वर्षों से उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन हो रहा है, किसान अपनी सहभागिता देकर आयोजन में जमीन देता आया है। बदले में सरकार किसान को उसकी जमीन का किराया देती थी। लेकिन वर्तमान में सरकार लैंड पुलिंग एक्ट के तहत किसान की जमीन छीनना चाहती है और उस पर स्थाई निर्माण करना चाहती है।

जिसके लिए प्रदेश व उज्जैन का किसान तैयार नहीं है। मिश्र ने कहा कि प्रदेश सरकार सिंहस्थ व लैंड पुलिंग के नाम पर किसान की जमीन छीनकर उनका विस्थापन करना चाहती है। लैंड पुलिंग एक्ट पर किसान से कोई चर्चा न करना, गाइडलाइन न बताना सरकार की सोच पर शंका को जन्म देती है। जो कि प्रदेश के किसानों व किसान संघ को स्वीकार नहीं है। इस विषय को लेकर हमारी गांव गांव जाने की तैयारी चल रही है।

किसानों के खेतों में स्थाई निर्माण क्यों

महामंत्री मिश्र ने कहा कि सरकार व उसके अधिकारी किसान के खेतों में कांक्रीट डालने व स्थाई निर्माण करने क्यों अड़े हैं। किसान संघ का कहना है कि साधु संत तो पैरों में चप्पल तक नहीं पहनते हैं, गर्मी में सिंहस्थ होता है ऐसे में कांक्रीट खेतों में बिछाना कहां तक उपयुक्त हैं।

धमतरी :पीएम आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को बांटा गया भवन अनुज्ञा

धमतरी/ब्यूरो। नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाय) अंतर्गत स्वीकृत आवासों की भवन अनुज्ञा वितरण का कार्यक्रम दो सितंबर को नगर निगम कार्यालय में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा, सभापति कौशिल्या देवांगन, एमआईसी सदस्य नरेंद्र रोहरा, विजय मोटवानी एवं अखिलेश सोनकर ने हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा पत्र सौंपा।

कार्यक्रम में निगम के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संकल्प का साकार रूप है। इस योजना का उद्देश्य है कि हर गरीब परिवार को पक्का मकान उपलब्ध हो, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने लाभार्थियों से अपील की कि वे समय पर मकान

निर्माण कार्य पूरा करें, जिससे शीघ्र ही अपने सपनों का घर पा सकें। एमआईसी सदस्य नरेंद्र रोहरा और विजय मोटवानी ने कहा कि निगम का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे। इसके लिए निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को हितग्राहियों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने योजना के पारदर्शी और सुचारु क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि आगे भी पात्र हितग्राहियों को समय पर स्वीकृति और भवन अनुज्ञा उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के अंत में निगम प्रशासन ने हितग्राहियों को विश्वास दिलाया कि योजना के अंतर्गत पात्र सभी परिवारों को पक्के मकान का सपना साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास जारी रहेंगे। इस अवसर पर पार्षद पिंटू यादव, हिमानी साहू, तल्लीनपुरी गोस्वामी, नम्रता पवार, आशा लोधी, चन्द्रभागा साहू, हेमन्त बंजारे, अनिता अग्रवाल, भारती साहू, अज्जू देशलहरे, संजय देवांगन, संतोष सोनकर, गजेंद्र कवर, प्रकाश सिन्हा और छोटू वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

असम में कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति और जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर समिति की बैठक संपन्न

असम/ब्यूरो। असम में कामरूप जिले की अगस्त माह की जिला सड़क सुरक्षा समिति तथा जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर समिति की बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।

कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति की अगस्त महीने के बैठक 30 अगस्त को अमीनगांव स्थित समन्वित जिला कार्यालय में जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में जिला आयुक्त ने दुर्घटना जाँच दल को चांगसारी क्षेत्र में बार-बार घटित हो रहे सड़क हादसों की गहन जाँच करने के निर्देश दिए। उन्होंने एआईआईएमएस-गुवाहाटी और आईआईटी-गुवाहाटी के प्रवेश बिंदुओं पर अक्सर देखी जाने वाली यातायात भीड़ की समस्या पर भी विस्तार से चर्चा की और पुलिस व परिवहन विभाग को संयुक्त सर्वेक्षण कर समाधान निकालने का निर्देश दिया।

अमीनगांव से बाईहाटा चारियाली तक के राष्ट्रीय राजमार्ग को लेकर समिति ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को इस मार्ग के दोनों ओर "वेस्टसाइड अमेनिटीज" की

व्यवस्था करने का निर्देश दिया।मिर्जा चारियाली और चयगांव बाजार जैसे क्षेत्रों में जाम की समस्या पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त गर्ग मोहन दास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोमालिन शुभदर्शिनी, रंगिया, बको-चायगांव और पलाशबाड़ी क्षेत्र के उप-आयुक्त क्रमशः देवाशीष गोस्वामी, प्रियांशु भारद्वाज और रश्मि बरुआ गोगोई उपस्थित थे।

इसके अलावा शिक्षा, परिवहन, सड़क निर्माण एजेंसियों सहित राष्ट्रीय राजमार्ग एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

उसी दिन जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर समिति की बैठक भी समन्वित जिला कार्यालय में जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले में बिना लाइसेंस की फार्मेसी को नियंत्रित करने और अनधिकृत दवाइयों की बिक्री रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।दवा निरीक्षक ने बैठक को सूचित किया कि इस माह मालिबारी क्षेत्र में एक बिना लाइसेंस वाली मेडिकल स्टोर को सील किया गया और एक अन्य स्टोर को बंद किया गया।

छत्तीसगढ़ में आदि कर्मयोगी अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा

रायपुर/ब्यूरो। देश की आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब किसी सरकार ने जनजातीय समाज के जीवन स्तर को उपर उठाने के लिए देशव्यापी अभियान छेड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसे मूलभुत सुविधाओं से जोड़ने और इनका लाभ दिलाने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत की है। यह अभियान देशभर के 30 राज्यों में संचालित किया जा रहा है। यह अभियान देश भर के 550 से ज्यादा जिलों और 1 लाख से अधिक आदिवासी बहुल गांवों में बदलाव के लिए काम करेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अभियान को सेवा पर्व का रूप दिया है। छत्तीसगढ़ में यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पूरे राज्य में ग्राम पंचायत स्तर पर सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय का कहना है कि यह केवल योजनाओं की जानकारी देने का प्रयास नहीं, बल्कि समाज और शासन को जोड़ने वाला पुल है। छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए वृहद स्तर पर आदिकर्म योगियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कर्मयोगी जनजातीय परिवारों से घर-घर संपर्क कर उनकी आवश्यकताओं और जरूरतों को समझेंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगे, राज्य और जिला स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी। राज्य सरकार के सभी विभागों के अधिकारी इस कार्य में संवेदनशीलता के साथ सीधे जुड़ेंगे।

आदिकर्मयोगी अभियान का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर इसलिए भी है क्योंकि भारत की जनजातीय आबादी लगभग 10 करोड़ से अधिक है। इतने बड़े समुदाय को मुख्यधारा में लाए बिना 2047 तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। यह अभियान प्रधानमंत्री की उस सोच से जुड़ा है, जिसमें हर क्षेत्र, हर समाज और हर नागरिक को विकसित भारतह्न की यात्रा में समान अवसर देना है। भारत का विकास केवल शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह सकता। एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र वही कहलाएगा, जहाँ समाज के हर तबके को समान अवसर मिले और उसकी संस्कृति को उचित सम्मान दिया जाए। इसी सोच को मूर्त रूप ह्यआदि कर्मयोगी अभियानह्न के जरिए दिया जा रहा है। यह वस्तुतः जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है।

छत्तीसगढ़ देश का वह राज्य है जहाँ सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या निवास करती है। इसीलिए इस अभियान का यहां विशेष महत्व है। आदिवासी समाज की असली चुनौती यही रही है कि अनेक योजनाएँ होते हुए भी उनकी जानकारी और लाभ जरूरतमंदों तक समय पर नहीं पहुँच पाते। ऐसे में लाखों कर्मयोगी स्वयंसेवक योजना और समाज के बीच सेतु बन सकेंगे। यह अभियान राज्य के 28 जिलों और 138 विकासखंडों के 6 हजार 650 गांवों में 1 लाख 33 हजार से अधिक वालंटियर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा है।

आदिम जाति कल्याण मंत्री राम विचार नेताम में अधिकारियों को पंचायतों में आदि सेवा केंद्र स्थापित करने और जनजातीय परिवारों को पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, छात्रवृत्ति, रोजगार, कौशल विकास जैसी सुविधाओं के लिए मार्गदर्शन और योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि इस अभियान को सेवा पर्व के रूप में मनाया जाए और जनजातीय योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने का ठोस प्रयास किया जाए।

अभियान का असर शिक्षा और स्वास्थ्य से लेकर आजीविका तक हर क्षेत्र में दिखेगा। जब एक वालंटियर किसी परिवार को यह बताता है कि उनकी बेटी को छात्रवृत्ति मिल सकती है, या बुजुर्ग को पेंशन का हक है, तो यह केवल सूचना नहीं होती, बल्कि उस परिवार की जिंदगी बदलने वाला अवसर होता है।

राजकीय महाविद्यालय में भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन

नोएडा/ब्यूरो। राजकीय महाविद्यालय, सेक्टर -39, नोएडा में महाविद्यालय के 44 वें स्थापना दिवस पर हिंदी साहित्य भारती नोएडा द्वारा हास्य कवि बाबा कानपुरी की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि थे भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री महेश चौहान और संचालन किया कवि डा पुष्पेन्द्र शर्मा ने।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. गुप्ता, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.मंजू शुक्ला सहित कालेज के बहुत सारे अध्यापकों ने सभी कवियों, उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का अंगवस्त्र पुष्पहार से स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजन में लायन्स क्लब नोएडा का सहयोग सराहनीय रहा।

कवि सम्मेलन में सर्वश्री वरिष्ठ कवि चंद्रभानु मिश्र, गीतकार ओंकार त्रिपाठी, हास्य कवि मोहन द्विवेदी, वरिष्ठ कवयित्री डॉ. श्वेता त्यागी, बबीता पांडेय, प्रतिभा इंदु एवं कवि पत्रकार विनोद शर्मा ने अपनी विभिन्न विधाओं की कविताओं से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। श्रोताओं में महाविद्यालय के छात्र भी काफी संख्या में उपस्थित थे, जिन्होंने कविता का भरपूर आनंद लिया।

मानवता के हित में रक्तदान महान कार्य : पवन मिश्र

देवरिया/ब्यूरो। भाजपा किसान मोर्चा देवरिया द्वारा चार साल बेमिसाल उत्सव के अंतर्गत महर्षि देवरहवा बाबा मेडिकल कालेज ब्लड बैंक में रक्त परीक्षण एवं रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने रक्तदान करने के बाद कहा कि रक्तदान के माध्यम से सामुदायिक भावना को बढ़ावा को मिलता है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान एक जीवन बचाने की प्रक्रिया है, मानवता के हित मे रक्तदान महान कार्य है, प्रत्येक व्यक्ति को इस पुनीत कार्य मे भाग लेना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य रूप से भगवान यादव, अरुण मिश्र, विजेंद्र चौहान, प्रभुनाथ पाण्डेय, गुड्डू यादव, अभिषेक तिवारी, सुब्रत सिंह सैथवार, जितेंद्र कुशवाहा उपस्थित रहे।

असम भाजपा ने दिया पुलिस की हिरासत से भागते समय गोली खाए भूमाफिया को बीटीआर चुनाव में टिकट

असम/ब्यूरो। एक समय भूमि कब्जे के आरोप में गिरफ्तार हुए और पुलिस द्वारा पीछा करते समय गोली खाए भूमाफिया रमेन मदाही को अब आगामी असम के बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने कोकलाबाड़ी क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया है। उल्लेखनीय है कि 26 नवम्बर 2023 को गुवाहाटी के लालुंग गाँव में रमेन मदाही ने पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास किया था। उस समय उसे रोकने के लिए पुलिस ने गोली चलायी थी। यह घटना उस समय सुर्ख़ियों में रही थी क्योंकि मदाही पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे और उसे एक कुख्यात भूमाफिया माना जाता था।

अब जब भारतीय जनता पार्टी, जो स्वयं को भ्रष्टाचार के मामले में "शून्य सहनशीलता" की बात करने वाली पार्टी बताती है, ने इसी भूमाफिया को चुनाव मैदान में उतारा है, तो इस खबर के सामने आते ही हर तरफ चर्चा तेज हो गई है। लोग आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं कि भाजपा ने ऐसे उम्मीदवार क्यों चुना है । इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने भी सत्तारूढ़ भाजपा की कड़ी आलोचना शुरू कर दी है।

परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ ने "शिक्षा भूषण सम्मान 2025" से शिक्षकों को किया सम्मानित

पटना/ब्यूरो। शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ ने पटना स्थित विद्यापति मार्ग के बिहार राज्य पंचायत परिषद् के सभागार में "शिक्षा भूषण सम्मान 2025" से सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत में परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ जिला इकाई नालंदा के जिला महासचिव स्वर्गीय राजीव रंजन के चित्र पर पुष्पांजलि एवं माला अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में बिहार सरकार के माननीय मंत्री पर्यटन विभाग श्री राजू सिंह,महासंघ के प्रदेश संयोजक प्रणय कुमार, प्रदेश कार्यकारी संयोजक श्री नवनीत कुमार, पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री नलिन कुमार सहित कई गणमान्य शामिल हुए।

मंत्री सिरसा ने की गणेश चतुर्थी व दुर्गा पूजा प्रतिमा विसर्जन की तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली के सभी 11 जिलों के जिला मजिस्ट्रेट के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर गणेश चतुर्थी व आगामी दुर्गा पूजा विसर्जन की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सहज विसर्जन स्थल उपलब्ध कराने के लिए पश्चिम दिल्ली में 20, पूर्व में 16, उत्तर-पश्चिम में 12, दक्षिण-पूर्व में 9, दक्षिण-पश्चिम में 7, शाहदरा, दक्षिण और उत्तर-पूर्व में 5-5, मध्य दिल्ली में 4 तथा उत्तर दिल्ली में एक कृत्रिम तालाब तैयार किए जा रहे हैं। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि हमारा पहला कर्तव्य यमुना को स्वच्छ रखना है, साथ ही हर भक्त को उत्सव मनाने का सही माहौल देना। नदी की बजाय विशेष तालाबों में विसर्जन करके हम परंपरा को जीवित रखते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी निर्वाह कर सकेंगे। पर्यावरण मंत्री को बताया गया कि तालाबों की संख्या व स्थान स्थानीय विधायकों व रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से समन्वय कर तय किए गए हैं, ताकि हर मोहल्ले के निकट सुविधा हो। सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग तालाब खुदाई का कार्य कर रहा है, जबकि दिल्ली जल बोर्ड इन्हें स्वच्छ जल से भरेगा।सिरसा ने निर्देश दिया कि विसर्जन के बाद वही पानी सड़क धूल नियंत्रण व पार्क सिंचाई में दोबारा इस्तेमाल हो।

एबीआरएसएम ने किया 'हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान' अभियान का आयोजन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के तत्वावधान में पूरे देश में पांच लाख से अधिक स्कूलों में 'हमारा विद्यालय -हमारा स्वाभिमान' अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में देशभर के छात्र और शिक्षकों ने एक साथ पांच सूत्री संकल्प पढ़कर शिक्षा, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह अभियान एबीआरएसएम की व्यापक दृष्टि 'हमारा विद्यालय -हमारा तीर्थ' का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य हर स्कूल में गर्व, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना जगाना है। दिल्ली में आयोजित पत्रकार वार्ता में एबीआरएसएम की राष्ट्रीय महामंत्री गीता भट्ट ने जानकारी देते हुए कहा कि 'हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान' अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों में गर्व, जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों की भावना को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का साधन भी है। उन्होंने कहा कि इस पांच सूत्री संकल्प में स्कूलों को स्वच्छ, अनुशासित और प्रेरणादायक बनाए रखने, स्कूल संसाधनों को राष्ट्रीय संपदा मानने, समानता और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने, शिक्षा को चरित्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम मानने तथा स्कूल को सेवा, मूल्य और उत्कृष्टता का तीर्थ मानने का संदेश दिया गया है।

लोक के साथ तनमय हुए बिना कोई कला सार्थक नहीं होती है : प्रो. रजनीश

नई दिल्ली। लोक के साथ तनमय हुए बिना कोई कला सार्थक नहीं होती है। उन्होंने कहा कि समाज आज भी अपनी वास्तविकता को दर्शाने वाले लेखन को स्वीकार करने में असहज हो जाता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्राध्यापक प्रो. रजनीश कुमार मिश्र ने संस्कार भारती के केंद्रीय कार्यालय 'कला संकुल' में आयोजित मासिक कला संगोष्ठी में कहा। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाली यह संगोष्ठी इस बार नाट्य लेखन : सामाजिक दृष्टि, संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केन्द्रित रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ युवा गायिका सुहानी कौशिक और वंशी वादक सुमित शर्मा की सुमधुर प्रस्तुति से हुई। इसके बाद संगोष्ठी का मुख्य सत्र प्रारम्भ हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रोफेसर चंदन चौबे ने सामाजिक दृष्टि से नाट्य लेखन: संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर अपना विचारपूर्ण वक्तव्य रखा। उन्होंने नाट्य साहित्य की परंपरा, उसकी सामाजिक उपयोगिता और बदलते समय में उसके नए आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि समाज में भक्ति को प्रदर्शनकारी कलाओं ने सर्वाधिक विस्तार देने का काम किया है। प्रदर्शनकारी कलाओं के माध्यम से लोगों के बीच संस्कृति को पहुंचाया गया है।

लूटपाट के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के कमला मार्केट थाना पुलिस ने लूट की वारदात को महज 24 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस ने इस संबंध में एक आरोपित को गिरफ्तार कर उसके पास से लूटी गई नकदी और शिकायतकर्ता का आधार कार्ड बरामद किया है। वारदात में इस्तेमाल हुई ई-रिक्शा भी जब्त कर ली गई है। पकड़े गए आरोपित की पहचान वीरेश उर्फ बीरू (21) के रूप में हुई है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वालसन के अनुसार 30 अगस्त की शाम करीब 7 बजे शाहगंज चौक से अजमेरी गेट तक जा रहे एक यात्री रफी गुल ने ई-रिक्शा किराए पर ली। रिक्शा चालक के साथ एक और युवक बैठा हुआ था। अजमेरी गेट के पास पहुंचने पर जब यात्री उतरा तो ड्राइवर और उसके साथी ने उसे रोककर हमला किया और पर्स लूट लिया। पर्स में करीब 20-25 हजार नकद और आधार कार्ड था। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपित मौके से भाग गए और ई-रिक्शा वहीं छोड़ गए। पीड़ित की शिकायत पर थाना कमला मार्केट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

किसानों की शिकायतों, सुझाव एवं अन्य मदद के लिए एक ही समर्पित पोर्टल रहेगा: शिवराज सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से कॉल सेंटर एवं अन्य पोर्टल्स के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के समाधान के संबंध में समीक्षा की। कृषि भवन में हुई बैठक में शिवराज सिंह ने अलग-अलग पोर्टल की जगह किसानों की सुविधा के लिए उनकी शिकायतों, सुझाव तथा अन्य सहायता के लिए एक ही समर्पित पोर्टल बनाने और समस्याओं का जल्द से जल्द समुचित निराकरण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से किसानों से मिली शिकायतों की समीक्षा करेंगे ताकि उन्हें त्वरित राहत प्रदान की जा सकें। किसानों से प्राप्त शिकायतों व हेल्पलाइन नंबर पर आ रही कॉल्स को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने गंभीरता दिखाते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में कोई देरी

नहीं होना चाहिए। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में सभी अधिकारी पूरी पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं संवेदनशीलता से काम करते हुए व्यवस्था को और सुदृढ करें। व्यवस्था ऐसी होना चाहिए, जिससे कि किसानों की शिकायतों का रीयल टाइम में उचित समाधान हो सकें। हम सभी की कोशिश यहीं होनी चाहिए कि किसान हर हाल में खुशहाल रहें और खेती समृद्ध हों। बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों से, किसानों से मिलने वाली शिकायतों की जानकारी ली, जिसमें अनेक शिकायतें नकली या घटिया खाद-बीज एवं कीटनाशक के संबंध में हैं। शिवराज सिंह ने इन शिकायतों का समाधान प्राथमिकता से करने का निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें राज्यों में प्रवास के दौरान भी ऐसी शिकायतें मिलती है, किसानों को हमें लुटने से बचाना चाहिए और इसके लिए अमानक खाद-बीज, कीटनाशक की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाना होगी।शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की इन समस्याओं को हल करने में राज्यों की सहभागिता आवश्यक है। वे स्वयं इस संबंध में मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख चुके हैं, आगे वर्चुअल माध्यम से भी राज्यों से चर्चा करेंगे, ताकि किसानों को पूरी तरह से राहत मिल सकें। अवैध बायोस्टियुमिलेंट (जैव उत्तेजक) की पूर्व में हुई बिक्री को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई।

आदि वाणी ऐप की शुरुआत, पांच आदिवासी भाषाओं का हिंदी और अंग्रेजी में हो सकेगा अनुवाद

एजेंसी
नई दिल्ली। अब मुंडारी, संताली, पुई, गोंडी और भीली आदिवासी भाषा का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद हो सकेगा। जनजातीय कार्य मंत्रालय की पहल पर आदिवाणी ऐप की शुरुआत की गई। यह जनजातीय भाषाओं का अनुवाद करने में सक्षम है। अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जनजाति मामलों के राज्यमंत्री दुर्गादास उइके भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस ऐप के जरिये आदिवासी भाषाएं डिजिटल और ग्लोबल होंगी। आदिवासी भाषाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। भविष्य में इसके जरिये लोगों तक जनोपयोगी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।इसको बनाने में आईआईटी दिल्ली, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी रायपुर और बिट्स पिलानी जैसे तकनीकी संस्थानों ने मदद की। रांची, रायपुर, ओडिशा और मध्यप्रदेश के जनजातीय शोध संस्थानों ने भाषा और शब्दावलियों को उपलब्ध कराया है। इस ऐप के जरिये टेक्स्ट, वॉइस या डॉक्युमेंट को बस टाइप या अपलोड करना है। यह उसका अनुवाद तुरंत कर देता है। इसके जरिए आदिवासी भाषा का अनुवाद हिंदी और अंग्रेजी में हो सकता है। फिलहाल ऐप के जरिये पांच आदिवासी भाषाओं को जोड़ा गया है। झारखंड से मुंडारी, ओडिशा से संताली और पुई, छत्तीसगढ़ की गोंडी और मध्यप्रदेश की भीली भाषा शामिल है। भविष्य में इसमें और भाषाओं को जोड़ा जा सकेगा। यह ऐप सिर्फ अनुवाद ही नहीं करता है, बल्कि शब्दकोश का भी काम करता है।

स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं बनाने पर रहना चाहिए जोरः सीईईडब्ल्यू

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार हो रही बारिश और हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी के कारण एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। सुबह 9 बजे हथिनीकुंड बैराज से 3 लाख 29 हजार 313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। यह पानी जब यह दिल्ली पहुंच जाएगा तो उस समय बाढ़ जैसे हालात पैदा हो सकती है। इस बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर विशेषज्ञ कई उपाय सुझा रहे हैं जिसमें से बाढ़ के हॉटस्पॉट को चिन्हित करने और आवश्यक कदमों की प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए %शहर या स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं% बनाने पर जोर दिया गया है। बाढ़ की स्थिति पर विज्ञप्ति जारी करते हुए काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के फेलो नितिन बस्सी ने कहा कि इस साल मानसून में, यमुना दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पहले ही तीन बार पार कर चुकी है। अनुमान है कि 2 सितंबर की देर शाम तक यह 206 मीटर तक पहुंच जाएगी, क्योंकि हथनीकुंड बैराज से छोड़ा गया 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी अगले 48 घंटों के भीतर दिल्ली के

वजीराबाद पहुंचने की उम्मीद है। जुलाई और अगस्त में अधिक बारिश और पश्चिमी हिमालय में भूमि उपयोग में बदलाव के कारण मानसून के दौरान यमुना में पानी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहले से ही जलभराव और स्थानीय बाढ़ की समस्या है, इसलिए हमें अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने की जरूरत होगी। ठाणे और नवसारी में किए गए बाढ़ जोखिम प्रबंधन नियोजन से मिली काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की जानकारियों के अनुसार बाढ़ के हॉटस्पॉट को चिन्हित करने और आवश्यक कदमों की प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए शहर या स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं बनाने, बाढ़ के मैदानों पर निर्माण गतिविधियों को रोकने व अवैध कब्जों को हटाने के लिए भूमि उपयोग नियमों को बेहतर ढंग से लागू करने, स्थानीय जल निकासी व्यवस्था को बाधित होने से बचाने के लिए ठोस कचरा प्रबंधन नीतियों को लागू करने, और बाढ़ के अतिरिक्त पानी को सोख सकने वाले शहरी ग्रीन व ब्लू स्थानों को फिर से जीवित करने जैसे कदम उठाने जरूरी हैं।

दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर को लेकर सरकार पूरी तरह तैयार : सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर को लेकर चिंता बढ़ गई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस स्थिति पर बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इससे दिल्ली की जनता को कोई परेशानी नहीं होगी और सारा पानी सुचारू रूप से निकल जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने पत्रकारों को बताया कि हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी दिल्ली पहुंचने में लगभग 72 घंटे का समय लेता है। सीएम ने आश्वासन दिया कि सरकार ने पहले से ही व्यापक तैयारियां की हैं ताकि पानी का प्रवाह सुचारू रूप से निकल जाए।सीएम गुप्ता ने कहा, पिछले छह महीनों में हमने यमुना की सफाई पर विशेष ध्यान दिया है, जिसके कारण पानी रुकने की संभावना नहीं है। यमुना के फ्लडप्लेन में पानी जरूर पहुंचेगा, क्योंकि वहां जगह है, लेकिन दिल्ली के अन्य हिस्सों में इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया, पिछले छह महीने में बेहतरीन डिसेल्टिंग का बहुत

लाभ हुआ है, जिसके कारण बहुत अधिक मात्रा में पानी आने से भी वो अच्छी तरह से आगे निकल जाएगा। आज कहीं भी पानी का ब्लॉकेज नहीं हो रहा है। 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से यमुना का जलस्तर 207 मीटर से थोड़ा ऊपर जा सकता है, लेकिन यह बाढ़ की स्थिति नहीं पैदा करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

इसके अलावा, उन्होंने चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू के मामलों की जानकारी का जिक्र करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर अभी कोई विशेष चर्चा नहीं हुई है। दिल्ली प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों के लिए टीमें तैनात की हैं, और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त किया है कि उन्हें घबराने की जरुरत नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हथिनीकुंड से 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण, यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है और आज रात तक यह खतरे के निशान को पार कर सकता है।

भारत अब विश्व की 121 बायो-कंपनियों में से 21 का प्रतिनिधित्व करता हैः डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायोई3 (बायोटेक्नोलॉजी फॉर इकोनॉमी, एनवायरनमेंट एंड एम्प्लॉयमेंट) नीति के तहत हाई-परफॉर्मेंस बायोमैन्युफैक्चरिंग प्लेटफॉर्म्स का शुभारंभ किया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत अब विश्व की 121 बायो-कंपनियों में से 21 का प्रतिनिधित्व करता है। आज हम उन पहले देशों में शामिल हैं, जिन्होंने बायोमैन्युफैक्चरिंग नीति को संस्थागत रूप दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान बायोमैन्युफैक्चरिंग पर केंद्रित होना, भारत को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने और आयात पर निर्भरता कम करने की बड़ी दृष्टि का

हिस्सा है। बायो-एनब्लर्स भारत की बायोटेक्नोलॉजी आधारित विकास की अगली लहर की नींव हैं। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि देश की बायोइकोनॉमी लगभग 10 अरब डॉलर से बढ़कर आज 100 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई है, और आने वाले वर्षों में इसे 300 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बायोटेक स्टार्टअप्स की संख्या एक दशक पहले मात्र 50 थी, जो आज बढ़कर 13,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि बायोमैन्युफैक्चरिंग केवल स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण में नवाचार को ही नहीं बढ़ावा देता बल्कि यह पेट्रोलियम आयात कम करने और देश की भू-राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने में भी योगदान देता है। उन्होंने जोड़ा कि जिस प्रकार ÷आईटी÷ (सूचना प्रौद्योगिकी) 1990 के दशक में भारत की विकास गाथा का पर्याय बन गया था, उसी तरह आने वाले दशकों में बीटी (बायोटेक्नोलॉजी) भारत की विकास यात्रा का अहम शब्द बनेगा।

दिल्ली में जिम मालिक पर हमले का आरोपी पुडुचेरी के होटल से गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में जिम मालिक पर हमला करने के आरोपी को पुलिस ने पुडुचेरी के एक होटल से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कीर्ति नगर निवासी राहुल उर्फ पंकज चौधरी (38) के रूप में हुई है।सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि घटना 11 अगस्त को राजेंद्र नगर में हुई थी। 13 अगस्त को राजेंद्र नगर थाने में हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जिम मालिक ने पुलिस को बताया कि 5 अगस्त को उनके एक क्लाइंट विकास सोलंकी ने उससे दुर्व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद 11 अगस्त को सोलंकी अपने साथियों विक्रम, सरोज, पंकज, राहुल चौधरी, संजय चौधरी और अन्य लोगों के साथ देसी पिस्टल, रिवॉल्वर, लोहे की रॉड और लकड़ी के डंडों से लैस होकर जिम में जबरन घुस आया। आरोपियों ने जिम मालिक पर हमला कर दहशत फैलाने की कोशिश की। डीसीपी ने बताया कि जांच के दौरान राजेंद्र नगर पुलिस ने मुख्य आरोपियों में से एक विकास सोलंकी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, अन्य आरोपी फरार थे। डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ को फरार आरोपियों की तलाश में लगाया गया। गहन जांच और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी राहुल उर्फ पंकज चौधरी पुडुचेरी के एक होटल में छिपा हुआ है। इसके बाद एक विशेष टीम ने पुडुचेरी में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष के तौर पर गैर-जिम्मेदार, चुनाव आयोग ने जो पूछा उसका दें जवाबः रविशंकर प्रसाद

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र शालीनता से चलता है। पीएम मोदी को 107 बार गालियां दी गईं। राहुल गांधी में जरा भी शर्म नहीं बची है कि वे आगे आकर कहें कि वह व्यक्ति कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं था, और अगर है भी तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने अभी तक इस घटना की निंदा भी नहीं की है। यह प्रधानमंत्री के प्रति उनकी नफरत को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा, ÷जब भी मैं राहुल गांधी को संसद के अंदर या बाहर सुनता हूं, तो मुझे यह समझने में समय लगता है कि वह क्या कहना चाह रहे हैं। आज उन्होंने कहा है, 'मैंने एटम बम फोड़ दिया है, अब मैं हाइड्रोजन बम फोड़ूंगा।' एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है? कर्नाटक चुनावों पर उन्होंने जो 'एटम बम' का दावा किया था, वह खोखला साबित हुआ। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के रूप में खुद को क्यों अपरिपक्व दिखा रहे हैं? देश को समझना चाहिए, राहुल गांधी गैर-जिम्मेदार हैं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग को धन्यवाद

कि अब बिहार में बूथ कैप्चरिंग नहीं होती। उन्हें इस बात का गहरा दुख है कि अब वे बूथ कैप्चरिंग नहीं कर सकते, इसलिए वे बार-बार बैलेट पेपर की मांग करते हैं। चुनाव आयोग और एसआईआर के खिलाफ उनकी 'वोटर अधिकार यात्रा' हमें बूथ कैप्चरिंग करने, बैलेट पेपर फाड़ने और घुसपैठियों को वोट देने का अधिकार और ताकत दो' पर केंद्रित है।' राहुल गांधी की यात्रा आज पटना में समाप्त हो गई। पटना मेरा लोकसभा क्षेत्र है, और उनसे सवाल पूछना मेरा अधिकार है। बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान राहुल गांधी हमेशा गाड़ी में आगे रहे और तेजस्वी यादव उनके पीछे। पटना से दो सांसद हैं, एक मैं और दूसरी मीसा भारती। वह कहीं नजर नहीं आईं। तेजस्वी यादव बिहार में नंबर 2 खिलाड़ी क्यों बनकर रह गए हैं? कांग्रेस का यहां कोई वोट नहीं है, वह पूरी तरह से आपके रहमोकरम पर है और आप नंबर 2 खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूछा, ÷राहुल गांधी, क्या हुआ? आप खुद को इतना हल्का क्यों बना रहे हैं? आप विपक्ष के नेता के पद पर बैठे हैं, जो एक गरिमामय पद है। आप अपनी प्रतिभा और योग्यता से वहां पहुंचे हैं, या सिर्फ अपने परिवार की बदौलत, ये पूरा देश जानता है। राहुल गांधी, आप चोरी की बात करने से पहले अपने अंदर झांक कर देखिए। क्या आप नेशनल हेराल्ड केस में जमानत पर बाहर नहीं हैं? मेरा मानना है कि इस सवाल का सबसे पहले आपको जवाब देना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआरः बारिश और तेज हवाओं से तापमान में गिरावट

दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर तक कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। वहीं, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। मौसम में आए इस बदलाव ने गर्मी से बेहाल लोगों को बड़ी राहत दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पहले ही 1 सितंबर के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दोपहर और शाम के समय गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई थी, जिसमें बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी शामिल थी। विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार अधिकतम तापमान सामान्य से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को सितंबर की शुरुआत में ही हल्की सर्दी का अहसास होने लगा है।

सदन में राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से बहस की गुणवत्ता होती है प्रभावित : रिजिजू

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सदन में सार्थक बहस की बजाय बाहरी राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से चर्चाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। रिजिजू ने दिल्ली विधानसभा के पहले अध्यक्ष चरती लाल गोयल की 98वीं जयंती पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल की विनम्रता से लेकर अनुशासन, निष्पक्षता और समर्पण के बल पर हासिल की गई ऊंचाइयों को याद किया। रिजिजू ने 1993 से दिल्ली विधानसभा के सुचारू संचालन में गोयल की भूमिका और उनके द्वारा स्थापित उच्च मानकों को रेखांकित किया। उन्होंने उनके जीवन की सादगी, ईमानदारी और चुनावी राजनीति से स्वेच्छा से दूर होने के दुर्लभ निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उदाहरण आज की राजनीति में बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को याद करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकसेवा, सामाजिक कल्याण और सहभागी शासन के प्रति अपने संकल्प को नवीनीकृत करने का अवसर है। रिजिजू ने यह भी उल्लेख

किया कि पिछले कुछ महीनों में वह तीन बार दिल्ली विधानसभा आए और इस अवसर पर आमंत्रित करने के उन्होंने अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवसर उन्हें इस संस्था के समृद्ध इतिहास से जुड़ने और उसकी लोकतांत्रिक परंपराओं को गढ़ने वाले महान नेताओं को श्रद्धांजलि देने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली के महापौर राजा इक़बाल सिंह, गांधी स्मृति के वाइस चेयरमैन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर चरती लाल गोयल के जीवन-वृत्त पर आधारित एक विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया गया।केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अपने संबोधन में चरती लाल गोयल के साथ बिताए पलों को याद करते हुए उन्हें दिल्ली की नब्ज समझने वाले, जनसुनवाई करने वाले एक अभिभावक समान नेता बताया। उन्होंने 1995-96 की अपनी स्मृति साझा की, जब वह दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थे और छोटे उद्योगों के स्थानांतरण का मुद्दा उठा। गोयल ने उनकी बातें धैर्यपूर्वक सुनीं और संबंधित मंत्री के साथ तत्काल वार्ता कराई, जिसके परिणामस्वरूप बाद में बवाना इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चरती गोयल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी गरिमामयी छवि, आदर्श आचरण और प्रेरक जीवन हमें यह याद दिलाता है कि सदन की कार्यवाही को शिष्टाचार, परस्पर सम्मान और रचनात्मक संवाद की भावना से संचालित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने आचरण से अपने राजनीतिक विरोधियों का भी सम्मान अर्जित करना चाहिए, जैसा कि गोयल जी ने किया।

सौरभ भारद्वाज का दावा, 'कांग्रेस ने भाजपा को जिताने के लिए लड़ा दिल्ली विधानसभा चुनाव'

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अपनी जीत के लिए नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ा। उनका दावा है कि कांग्रेस की पूरी रणनीति आम आदमी पार्टी को रोकने पर केंद्रित थी और इसी कारण उन्होंने भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूत करने का काम किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस की चुनावी गतिविधियों से यह स्पष्ट होता है कि पार्टी का मकसद जीत हासिल करना नहीं था। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एक इंटरव्यू में खुद इस बात को स्वीकार किया है कि कांग्रेस ने भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए चुनावी रणनीति बनाई थी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने अपने प्रदेश नेताओं

को निर्देश दिए थे कि आप को हराने के लिए जो भी करना पड़े, करो। अगर इसके लिए बीजेपी को जिताना पड़े तो भी पीछे मत हटो।आप नेता ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन नतीजा शून्य सीटों पर सिमटना रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनावी चंदे में 44 करोड़ से अधिक जुटाए, जबकि आम आदमी पार्टी को मात्र 2000 नकद मिले। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति से अधिकतम 2000 नकद दान लिया जा सकता है, फिर कांग्रेस को इतनी बड़ी रकम कैसे मिली और इस पर जांच क्यों नहीं हुई।सौरभ भारद्वाज ने यह भी आरोप लगाया कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोटरों की हेराफेरी हुई। हजारों वोट काटे गए और फर्जी वोट जोड़े गए। इस मामले में आम आदमी पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। भारद्वाज ने कहा कि यही वोट चोरी का मामला कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में उठाया, लेकिन जब ÷आप÷ महीनों पहले इस मुद्दे को उठा रही थी तब राहुल गांधी ने दिल्ली की स्थिति पर चुप्पी साधे रखी।

टिफिन में लेकर जाएं दम आलू, इस रेसिपी से बनाना है आसान

हर शाम या सुबह ऑफिस जाने वालों को इसी बात की टेंशन रहती है कि लंच में क्या टेस्टी चीज लेकर जाएं. ऐसे में अगर आप रोजाना दाल, आलू मटर या चावल ले जाकर बोर हो गए हैं. तो उन्हीं सब्जियों को टेस्टी तरीके से बना सकते हैं. आप सुखे या फिर आलू मटर की जगह इस सोमवार लंच में कश्मीरी दम आलू लेकर जा सकते हैं. इस रेसिपी से इसे सुबह बनाना आसान रहेगा.

आज के भागदौड़ भरे लाइफस्टाइल में स्कूल, कॉलेज या ऑफिस जाने वाले हर व्यक्ति के सामने एक आम समस्या होती है कल टिफिन में क्या लेकर जाएं? ये एक ऐसा सवाल है, जो हर सुबह लोगों को उलझन में डाल देता है और यह उलझन समय के साथ कम होने की बजाय बढ़ती जाती है. हर दिन सुबह उठते ही रोजाना ऑफिस जाने की तैयारी शुरु हो जाती है. इसी में टिफिन भी तैयार करना शिमाल है.बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी का यही सवाल होता है ÷आज क्या बनाया जाए?÷ मां हो या गृहिणी, वर्किंग वुमन हो या खुद स्टूडेंट सभी के लिए टिफिन में क्या टेस्टी बनाकर लेकर जाएं यह विचार करना मुश्किल हो जाता है.

हर दिन पराठा, राजमा-चावल, पूड़ी, इडली, डोसा या सैंडविच बनाना आसान नहीं होता. वहीं सब्जी को एक ही तरह से खाकर बोरियत हो जाती है. ऐसे में कभी कुछ नया बनाने की कोशिश की जा सकती हैं. ज्यादातर लोग आलू के पराठे, मटर-आलू, या इस शिमला मिर्च या किसी दूसरी सब्जी के साथ बनाकर लेकर जाते है. वहीं आप सूख आलू की जगह पर कश्मीरी दम आलू भी ट्राई कर सकती हैं. तो आप इस सोमवार को टिफिन के लिए सुबह दम आलू बना सकते हैं, जो हर किसी को पसंद आएंगे.

कश्मीरी दम आलू

कश्मीरी दम आलू हल्के मसालेदार साबुत बेबी आलू की करी है जिसे बनाने के लिए दही का उपयोग भी किया जाता है. यह बेहद स्वादिष्ट होती है और आम प्याज और टमाटर की ग्रेवी से बिल्कुल अलग होती है. इसे फुल्का, नान या अपनी पसंद के किसी भी चावल के साथ गरमा गरम परोसा जा सकता है. आइए जानते हैं कश्मीरी दम आलू बनाने की रेसिपी

कश्मीरी दम आलू बनाने की रेसिपी

इसे बनाने के लिए पहले तो आलू को थोड़े से नमक के साथ उबालें और उसे छीलकर उसमें टूथपिक लगा दें. अब इन्हें एक कटोरे में लें. इसमें नमक और लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं. एक कढ़ाई में तेल डालकर आलू को सुनहरा भूरा होने तक तलें और फिर एक तरफ अलग रख दें. अब सभी साबूत मसालें लें और उन्हें पैन में रोस्ट कर लें. इसके बाद मिक्सी में डालकर इसका पाउडर बना लें. साबुत लाल मिर्च के बीज निकालकर उन्हें गर्म पानी में भिगो दें. अब मिक्सी में साबुत लाल मिर्च और पानी डालकर इसका पेस्ट बना लें.एक बाउल में दहीं ले और उसमें पिसे हुए मसालों का पाउडर और सोंठ पाउडर डालकर फेंट लें. इसके बाद एक पैन में थोड़ा तेल गरम करें और उसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और हींग डालकर अच्छी तरह मिलाएं. अब इसमें फेंटा हुआ दही का मिश्रण डालें और उबाल आने दें. इसे अब तले हुए आलू डालें और आलू के नरम होने तक पकाएं.अब लास्ट में कसूरी मेथी डालें और गैस बंद कर दें.

बीत चुका है, हिमालय को सुनने का समय

हिमालय एक नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र है जहां वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण भूस्खलन, बाढ़ और ग्लेशियरों के पिघलने जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग% के अनुसार, इस क्षेत्र में संभवत~ ग्लेशियर झील के फटने से भारी विनाश हुआ है और इसका मूल कारण %ग्लोबल वार्मिंग% और जलवायु-परिवर्तन है। इसमें बहुत ज्यादा गर्मी, अत्यधिक ठंड, बेकाबू बारिश जैसे प्रत्यक्ष प्रभाव शामिल हैं। बढ़ते तापमान से ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं और झीलें अस्थिर हो रही हैं।हिमालय एक नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र है जहां वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण भूस्खलन, बाढ़ और ग्लेशियरों के पिघलने जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। सन् 2012 में केंद्र सरकार ने भागीरथी नदी के गौमुख से उत्तरकाशी जलग्रहण क्षेत्र को एक पारिस्थितिक-संवेदनशील क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया था। इसका उद्देश्य प्राचीन क्षेत्रों का संरक्षण और बुनियादी ढांचागत गतिविधियों का नियमन करना था, परन्तु केंद्र और राज्य सरकारें इन नियमों को लागू करने में ढिलाई बरतती रहीं।भारतीय मौसम विभाग% की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तराखंड में औसत बर्फबारी में पिछले 50 वर्षों में 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार 1962 से अब तक हिमालयी ग्लेशियरों का 30 प्रतिशत हिस्सा पिघल चुका है जिसकी वजह से बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। सन् 2013 में केदारनाथ में आई बाढ़, 2021 में जोशीमठ में ज़मीन और इमारतों के धंसकने, सन् 2023 में तीस्ता घाटी में हिमनद झील के फटने से आई बाढ़ और हिमाचल प्रदेश में बार-बार आने वाले मानसूनी भूस्खलन और बाढ़ को वैज्ञानिक पारिस्थितिक और भूगर्भीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में असंतुलित बुनियादी ढांचे के विकास का परिणाम बताते हैं।आपदा प्रबंधन विभाग% और विश्वबैंक ने वर्ष 2018 में एक अध्ययन करवाया था। इस अध्ययन के अनुसार राज्य में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किए गए थे। एक और रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काटकर या फिर जंगलों को उजाड़कर बन रही हैं और इसी कारण भूस्खलन जोन की संख्या बढ़ रही है। हिमालय न केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक चलती रहती है।पेड़ भूमि को बांधकर रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं जो कि कटाव व पहाड़ को ढहने से रोकने का एकमात्र उपाय है। पहाड़ पर तोड़-फोड़ या धमाके होना या फिर उसके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ का ही दुष्परिणाम है कि

हिमालय में निरंतर भूकंप आते रहते हैं। जल-विद्युत परियोजनाओं के लिए सुरंग या अविरल धारा को रोकने से पहाड़ अपने नैसर्गिक स्वरूप में नहीं रह पाता और उसके दूरगामी परिणाम विभिन्न प्राकृतिक आपदा के रूप में सामने आते हैं।सन् 2020 में चार धाम राजमार्ग के निर्माण की जांच हेतु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने सिफारिश की थी कि संवेदनशील ढलानों से छेड़छाड़ न की जाए, परन्तु उसके विपरीत कार्य हो रहा है। हिमालय में बढ़ते पर्यटन के कारण होटल, मकान, सड़क, राजमार्ग आदि के निर्माण का भारी दुष्प्रभाव देखा जा रहा है। जून 2022 में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थानद्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि हिमा लय में बढ़ते पर्यटन के चलते हिल स्टेशनों पर दबाव बढ़ा है।नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय% द्वारा किये गए एक अध्ययन से पता चला है कि हिमाचल प्रदेश के मनाली में 1989 में 4.7 फीसदी क्षेत्र में भवन, होटल, सड़क, दुकान आदि का निर्माण हुआ था जो 2012 में 15.7 फीसदी हो गया और आज यह आंकड़ा 25 फीसदी से ज्यादा हो गया है। वर्ष 1980 से 2023 के बीच पर्यटकों की संख्या में 5600 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। पुलिस रिकार्ड के मुताबिक विगत दो वर्षों से शिमला में आने वाले वाहनों की संख्या 25 प्रतिशत बढ़ गई है। शहर में सिर्फ 6000 वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था है, लेकिन सीजन टाइम में प्रतिदिन 20,000 वाहन आते हैं।इन मानव-जनित चुनौतियों के चलते भूस्खलन, अचानक बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाएं विनाशकारी बनती जा रही हैं। हिमालयी क्षेत्र में, विशेषकर उच्च हिमालय की छोटी नदियों की घाटियों में, कई ऐसे स्थान हैं जहां विनाशकारी घटनाओं की संभावना बहुत अधिक होती है। ये घटनाएं अचानक घटित होती हैं। ऐसे स्थानों पर प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली काम नहीं आती। पहले इंसान ऐसे स्थानों पर बसते नहीं थे, लेकिन हाल के वर्षों में हमने इन स्थानों की संवेदनशीलता पर ध्यान नहीं दिया है। ऐसे में सबसे अच्छा समाधान है, वहां रहने वाले लोगों को शिक्षित करना या बड़े पैमाने पर बस्तियां बसाने से रोकने के लिए कानून बनाना।भारतीय मौसम विज्ञान विभागके अनुसार, इस क्षेत्र में संभवत~ ग्लेशियर झील के फटने से भारी विनाश हुआ है और इसका मूल कारण ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु-परिवर्तन है। इसमें बहुत ज्यादा गर्मी, अत्यधिक ठंड, बेकाबू बारिश जैसे प्रत्यक्ष प्रभाव शामिल हैं। बढ़ते तापमान से ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं और झीलें अस्थिर हो रही हैं। भारतीय विज्ञान संस्थान% (आईआईएससी) की एक टीम को संदेह है कि खीरगंगा चैनल को पानी देने वाले एक %लटकते ग्लेशियरज् ने 5 अगस्त को धराली में आई विनाशकारी बाढ़ में भूमिका निभाई होगी।

कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की 28043 ग्लेशियर झीलों में से 188 झीलें कभी भी तबाही का बड़ा कारण बन सकती हैं। इससे लगभग तीन करोड़ की आबादी पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। इन ग्लेशियरों के पिघलने से बनने वाली झीलें केवल एक पारिस्थितिक संकट नहीं हैं। इन झीलों से निकलने वाले पानी के कारण नदियों का बहाव प्रभावित होता है। इसके साथ ही, जिन झीलों का पानी पूरी तरह भर जाता है या जिनका किनारा टूटता है, वे नीचे बसे क्षेत्रों के लिए भारी तबाही का कारण बनती हैं।हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए सतत विकास और संरक्षण के प्रयासों की आवश्यकता है। सरकार, गैर-सरकारी संगठनों और स्थानीय समुदायों को मिलकर काम करना होगा, ताकि हिमालय का संरक्षण किया जा सके और स्थानीय लोगों की आजीविका को भी सुनिश्चित किया जा सके। पीपुल्स साइंस इंस्टीट्यूट, देहरादून के पूर्व निदेशक रवि चोपड़ा बताते हैं कि तेज़ आर्थिक विकास की कल्पनाओं से मोहित भारतीय नागरिकों के लिए जलवायु परिवर्तन की चेतावनी के प्रति सचेत होने और सुरक्षित, टिकाऊ और समतापूर्ण आर्थिक विकास की मांग करने का समय बहुत पहले बीत चुका है। प्रकृति की सीमाओं को पहचानना और उनका सम्मान करना ही हमारे अस्तित्व और आर्थिक विकास का सबसे सुरक्षित और तार्किक मार्ग है।

संपादकीय

जीवन रक्षक पहल

कैसी विडंबना है कि जो हेलमेट दुर्घटना में हमारे जीवन की रक्षा करता है, उसे पहनाने के लिये सरकार को सख्ती करनी पड़ रही है। जब तमाम दिशा-निर्देशों की अवहेलना तथा जुर्माने की अनदेखी करके लोग बिना हेलमेट का सफर करने की जिद दिखाते हैं तो निश्चय ही सरकारों को सख्ती करनी पड़ती है। ये आने वाला वक्त ही बताएगा कि उत्तर प्रदेश सरकार की 'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' मुहिम कितनी प्रभावी साबित होती है। हम यह जानते हैं कि दोपहिया वाहन पर चलना जितना सुविधाजनक है, उतना ही दुर्घटना की दृष्टि से बेहद संवेदनशील भी। कोई गिरता है तो चोट लगना निश्चित है। खतरा ये होता है कि हमारे गिरने पर पीछे से आ रहा तेज वाहन चाहकर भी गिरने वाले को बचा नहीं पाता। देश में हर साल लाखों दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, कुछ दुर्भाग्यशाली बच नहीं पाते। लेकिन यदि हेलमेट लगा हो तो जीवित बचने की संभावना बहुत अधिक बढ़

जाती है। इस हकीकत को जानते हुए भी कि देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में तीस फीसदी शिकार दोपहिया वाहन चालक ही होते हैं, इस दिशा में लोग गंभीरता नहीं दिखाते। विडंबना यह भी है कि बहुत से लोग हेलमेट लगाते भी हैं तो सस्ते, और उसे भी टशन में लगाने से बचते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीवन रक्षा की यह मुहिम रंग लाएगी। उम्मीद करें कि एक सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को दोपहिया वाहन चालकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा।

निस्संदेह, दोपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की वजह हेलमेट न लगाना या फिर अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट ठीक से न पहनना होता है। कई लोग चालान से बचने के लिये औपचारिकता के लिए सस्ता हेलमेट पहन लेते हैं, जो पहनने के बावजूद बचाव नहीं कर पाता। या फिर गिरने की स्थिति में खुलकर अन्यत्र गिर जाता है। सवाल उठता है कि यातायात नियमों के अनुसार अनिवार्य होने के बावजूद लोग हेलमेट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? ऐसी लापरवाही जिसकी कीमत उन्हें जान देकर चुकानी पड़ सकती है। कुछ लोग जीवनपर्यंत विकलांगता के शिकार भी हो जाते हैं। फिर भी ऐसी लापरवाही समझ से परे है। एक हकीकत यह भी है कि यातायात पुलिस भी शुरू से ही ऐसी सख्ती नहीं दिखाती कि कोई बिना हेलमेट के वाहन न चला सके। एक संकट यह भी है कि पिछली सीट पर बैठी महिलाएं हेलमेट नहीं पहनती हैं। जबकि हादसे होने की स्थिति में वे भी शिकार बनती हैं। कुछ को अपने बालों के खराब होने की चिंता होती है। क्या जीवन से बड़ी कोई चीज हो सकती है? लेकिन विडंबना यह कि तमाम प्रयासों के बावजूद हम हेलमेट पहनने को लेकर जिम्मेदारी का भाव जगाने में कामयाब नहीं हो पाते। एक आंकड़े के अनुसार, बीते साल तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण हुई। फिर भी हम हकीकत को नजरअंदाज करते हैं। उम्मीद है उत्तर प्रदेश सरकार की मुहिम रंग लाएगी।

राहुल की यात्रा का पहला दौर कामयाब : मगर असली लक्ष्य है बिहार जीतना

राहुल की बिहार यात्रा का पहला दौर खतम हो गया। दूसरा दौर जब भी शुरू हो मगर उससे पहले ही वोट चोरी पूरे देश में मुद्दा बन गई

अब विपक्ष को जो वहां महागठबंधन के नाम से चुनाव लड़ रहा है अपना पूरा ध्यान चुनाव की तैयारी पर लगाना चाहिए। चुनाव आयोग के दांव पेंच चलेंगे। उस पर दबाव पड़ा है। मगर मोदी सरकार की तरफ से दबाव ज्यादा है। जाहिर है कि सत्ता का दबाव ज्यादा काम करेगा बनिस्बत विपक्ष और जनता के दबाव के। लेकिन चुनाव आयोग की साजिशों के बावजूद महागठबंधन को अपना चुनाव पूरी ताकत और कुशलता से लड़ना होगा।वैराहुल की बिहार यात्रा का पहला दौर खतम हो गया। दूसरा दौर जब भी शुरू हो मगर उससे पहले ही वोट चोरी पूरे देश में मुद्दा बन गई। यही इस यात्रा का पहला उद्देश्य था। देश में जगह-जगह वोट चोरी पर चर्चा होने लगी। बिहार का आदमी देश में हर जगह है। वह बता रहा है कि उसके घर गांव में कितने वोट कटे। जो जिन्दा हैं उनके नाम मुर्दों में लिख दिए और जो कई-कई बार वोट डाल चुके हैं उनके नाम ही गायब हैं। 18, 20, 22 साल के युवा जिनका नाम खोज-खोज कर घर-घर जाकर पहले जोड़े जाते थे उनके नाम ही नहीं हैं।जागरुकता हर जगह फैल गई है। अब बंगाल में जहां इसके बाद एसआईआर करने का भाजपा सोच रही थी करना मुश्किल होगा। राहुल का यह प्राथमिक उद्देश्य था जो पूरा हो गया। मगर असली उद्देश्य या लक्ष्य चुनाव जीतना होता है। अगर राहुल की इतनी सफल यात्रा जिसमें जनता ने सहभागिता के सारे रिकार्ड तोड़ दिए बिहार जीत में नहीं बदलती है तो यात्रा बेकार हो जाएगी। इसका उठाया मुद्दा वोट चोरी दम तोड़ देगा।अब विपक्ष को जो वहां महागठबंधन के नाम से चुनाव लड़ रहा है अपना पूरा ध्यान चुनाव की तैयारी पर लगाना चाहिए। चुनाव आयोग के दांव पेंच चलेंगे। उस पर दबाव पड़ा है। मगर मोदी सरकार की तरफ से दबाव ज्यादा है। जाहिर है कि सत्ता का दबाव ज्यादा काम करेगा बनिस्बत विपक्ष और जनता के दबाव के।लेकिन चुनाव आयोग की साजिशों के बावजूद महागठबंधन को अपना चुनाव पूरी ताकत और कुशलता से लड़ना होगा। निगाह चुनाव आयोग की धांधलियों पर रखना होगी। सुप्रीम कोर्ट में सही पैरवी करते रहना होगी। जनता को लगातार जागरूक करते रहना होगा और कार्यकर्ताओं को मजबूत करके बूथ लेवल तक पहुंचाना होगा।

आखिरी मैसेज चुनाव नतीजों से ही जाएगा। लड़ाई बराबरी की नहीं है। विपक्ष को लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं मिलेगी। मगर जब तक मोदी है विपक्ष के पास कोई आप्शन नहीं है। इन्हीं हालातों में लड़ना होगा।पहले तो यह था कि प्रधानमंत्री मोदी को भी चुनाव के जरिए ही हटाया जा सकेगा। मगर पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद अमेरिका के दबाव में सीज फायर ने परिस्थितियां पूरी तरह बदल दी हैं। अभी संसद के खतम हुए मानसून सत्र में मोदी का गिरता हुआ असर साफ दिख रहा था। भाजपा सांसद उस तरह मोदी और अमित शाह के साथ खड़े नहीं दिखे जैसे इससे पहले के सत्रों में दिखते थे। लोकसभा जहां पिछले 11 साल में राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया।विपक्ष के हर नेता को हूट किया गया। पूरे विपक्ष को सदन से निष्कासित कर दिया गया वहां मोदी के प्रवेश करने पर वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगे। अमित शाह के मुंह पर संविधान संशोधन का विपक्ष के मुख्यमंत्रियों को हटाने का बिल फाड़कर फेंका गया।यह मोदी अमित शाह के डर के खतम हो जाने का परिचायक था। राहुल का पिछले कुछ समय से यही प्रमुख नारा था डरो मत! और डर विपक्ष में खतम हुआ लेकिन इसके साथ सत्ता पक्ष में भी बना डर का माहौल खतम हुआ।

मोदी के 11 साल के शासन का अगर कोई एक आधार था तो वह डर ही था। जिसकी वजह से खुद उनकी पार्टी, सभी संवैधानिक संस्थाएं, मीडिया सब उनके नियंत्रण में रहते थे। अब वह डर खतम हुआ तो मोदी अपने आप कमजोर दिखने लगे। इसलिए जो पहले माना जाता था कि उन्हें केवल चुनाव के जरिए ही हटाया जा सकता है अब माना जाने लगा है कि खुद उनकी पार्टी उनके साथ नहीं है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर से लेकर देश में हर जगह उनकी असफलताएं दिखने लगी हैं।राजनीति में नेता तभी तक स्वीकार्य होता है जब तक वह मजबूत दिखता है। राहुल गांधी का उनकी खुद की पार्टी में विरोध हो गया था। उन्हें अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा था। पार्टी के 23 बड़े नेताओं ने उनके खिलाफ सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। मगर राहुल ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा फिर दूसरी यात्रा करके और विपक्ष में एकजुटता लाकर इंडिया गठबंधन बनाकर मोदी को 2024 के चुनाव में बहुमत लाने से रोक दिया। उसके बाद राहुल न केवल अपनी पार्टी में पूरे विपक्ष में और जनता में मजबूत नेता के तौर स्थापित हो गए।और दूसरी तरफ उसी काल खंड में मोदी लोकसभा में बहुमत से दूर रहकर, अमेरिका के दबाव में आकर भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ सफलता के निर्णायक क्षणों में रोकने और उसके बाद भी टैरिफ को नहीं रोक पाने के बाद अपना सारा रौब रुतबा खो चुके हैं। बची खुची कसर उनकी चीन यात्रा ने पूरी कर दी।

गलवान में मारे गए हमारे बीस बहादुर सैनिकों की शहादत आंखों के सामने घूम गई। उसके बाद चीन को जो क्लीन चिट दी थी कि न कोई घुसा है न कोई है कि याद आ गई। चीन जाने की जरूरत पर सवाल होने लगे। जो चीन पाकिस्तान के साथ संघर्ष में पूरी तरह उसके साथ खड़ा था। हमारी सेना के उपसेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा कि सामने पाकिस्तान था मगर पीछे चीन लड़ रहा था। अब पाकिस्तान के साथ भारत क्रिकेट मैच खेल रहा है और चीन तो प्रधानमंत्री खुद पहुंच गए। तुर्किए जिस तीसरे देश का नाम सेना ने लिया था कि वह भी पाकिस्तान के साथ लड़ रहा था उससे फिर कारोबार शुरू कर दिया। गोदी मीडिया तक ने हेडिंग लगा दी रकार का यूटर्न। विदेश नीति पूरी तरह असफल बताई जा रही है।समस्या यह है कि विदेश नीति देश के लिए होती है। मगर मोदी पिछले 11 साल में अपनी छवि बनाने के लिए विदेश नीति चला रहे थे। अभी लेटेस्ट जापान का उदाहरण सामने है। वहां भारत जापान संबंधों में पलीता लगाकर गोदी मीडिया यह दिखा रहा है कि जापान में भारतीय सुरक्षित नहीं हैं। लेकिन मोदी की वजह से कोई डर नहीं है। यह जापान पर बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह है। वहां भारतीय या विदेशी सुरक्षित नहीं। कोई देश कैसे बर्दाश्त करेगा?मोदी का नाम रहे। बाकी देश के बारे में लोग क्या सोचेंगे इसकी चिन्ता नहीं। हर देश में जहां मोदी जाते हैं ऐसे ही ड्रामे किए जाते हैं। और इसी का असर है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष के समय एक देश भी भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ।

यही हालत अब भाजपा के अंदर सवाल पैदा कर रहे हैं। संघ ने अभी उसके सौ साल का जश्न नहीं बिगड़े इसलिए 75 साल की उम्र के मसले को किनारे कर दिया है। मगर इससे सवाल खत्म नहीं होगा। सरसंघ चालक मोहन भागवत मोदी के साथ डूबती नाव का सफर नहीं करेंगे। फिलहाल भाजपा और संघ दोनों एक दूसरे की तरफ देख रहे हैं कि सवाल कहां से उठेंगे। कहीं से भी उठ सकते हैं।

नौदिता मेडिकेयर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। अनोदिता मेडिकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 145 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 275.50 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 289.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 99.48 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। यानी आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही करीब दोगुना हो गया है। अनोदिता मेडिकेयर का 69.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 300.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 153.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 531.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 286.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सेबी के नियमों का पालन न करने पर कोल इंडिया पर 10.72 लाख रुपये जुर्माना

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पर 10.72 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के कारण यह जुर्माना लगाया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि कंपनी को एनएसई और बीएसई से 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए सेबी एलओडीआर के नियम 17 के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में नोटिस प्राप्त हुआ है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि? उसके बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के संबंध में सेबी के मानदंडों का पालन न करने पर उस पर 10.72 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीआईएल ने कहा कि यह गैर-अनुपालन उसकी किसी लापरवाही या चूक के कारण नहीं था और अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास भी किए गए थे। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल के सभी सदस्यों की नियुक्ति देश के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

अगस्त में जीएसटी राजस्व संग्रह 6.5 फीसदी बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह अगस्त में सालाना आधार पर 6.5 फीसदी बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। पिछले साल इसी अवधि में यह 1.75 लाख करोड़ रुपये था, जबकि पिछले महीने जून में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अगस्त में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 10.7 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में सकल घरेलू राजस्व 9.6 फीसदी बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात से 1.2 फीसदी घटकर 49,354 करोड़ रुपये रह गया। जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 20 फीसदी घटकर 19,359 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले अप्रैल 2025 में जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। जीएसटी राजस्व संग्रह का ये आंकड़ा केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद की होने वाली बैठक से ठीक दो दिन पहले आया है, जिसमें दरों को युक्तिसंगत बनाने और कर स्लैब की संख्या कम करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। जुलाई में देश में जीएसटी लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं। 1 जुलाई, 2017 को देश में जीएसटी लागू किया गया था।

टीसीए कल्याणी ने महालेखा नियंत्रक (सीजीए) का पदभार संभाला

नई दिल्ली। भारतीय सिविल लेखा सेवा (आईसीएएस) की 1991 बैच की अधिकारी टीसीए कल्याणी ने सोमवार को लेखा महानियंत्रक (सीजीए) का पदभार संभाल लिया है। वह इस पद पर आसीन होने वाली 29वीं अधिकारी हैं। उन्होंने रक्षा, दूरसंचार, उर्वरक, वित्त, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, सूचना एवं प्रसारण, और गृह मंत्रालय सहित प्रमुख मंत्रालयों में कार्य किया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक कल्याणी ने प्रौद्योगिकी को अपनाकर सार्वजनिक सेवा वितरण में पारदर्शिता और दक्षता को निरंतर बढ़ावा दिया है। मुख्य लेखा नियंत्रक (सीजीए) का पदभार ग्रहण करने से पहले कल्याणी गृह मंत्रालय में प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक (पीआर. सीसीए) के रूप में कार्यरत थीं, जहां उन्होंने भारत सरकार के सबसे बड़े मंत्रालयों में से एक के बजट और लेखा-जोखा का निरीक्षण किया।

कमजोरी लिस्टिंग के बाद ग्लोबटियर इंफोटेक के शेयरों पर लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। आईटी सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी ग्लोबटियर इंफोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 57.60 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 54.72 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 17.28 रुपये यानी 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ग्लोबटियर इंफोटेक का 31.05 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 28 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.04 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.63 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 27.44 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5,00,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

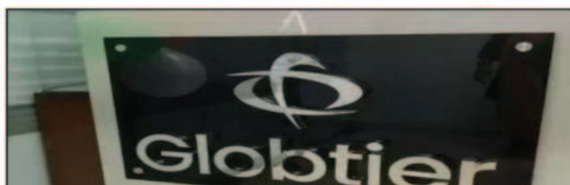

आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.35 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.74 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 5.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 4 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 94.81 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अगस्त माह में यूपीआई से हुए 20 अरब ट्रांजिक्शन, 24.85 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान की लोकप्रियता के चलते एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने अगस्त में 20 अरब मासिक लेन-देन का आंकड़ा पार कर लिया है। इस दौरान मूल्य के लिहाज से 24.85 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ, जो पिछले साल इसी अवधि में 20.60 लाख करोड़ रुपये से 21 फीसदी अधिक है। ये आंकड़ा जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये था। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि अगस्त में कुल लेन-देन की संख्या 20.01 अरब रही है, जो अगस्त 2024 में 14.9 अरब से 34 फीसदी की सालाना वृद्धि को दर्शाती है। एनपीसीआई के अनुसार मूल्य के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मात्रा के लिहाज से जुलाई में सबसे अधिक 19.47 अरब लेनदेन हुए थे। यूपीआई लेनदेन की

राशि 21 फीसदी बढ़कर 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 20.60 लाख करोड़ रुपये था। एनपीसीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक मात्रा के लिहाज से लेनदेन अगस्त, 2024 के 14.9 अरब से 34 फीसदी बढ़कर अगस्त, 2025 में 20.01 अरब हो गया। इस साल अगस्त के दौरान औसत दैनिक लेनदेन की संख्या 64.5 करोड़ तक पहुंच गई है, जबकि औसत दैनिक लेनदेन की राशि 80,177 करोड़ रुपये थी। ये उच्च-आवृत्ति खुदरा और बड़ी मात्रा में हस्तांतरण दोनों में यूपीआई की बढ़ती व्यापकता को दर्शाता है।

एनआईएस मैनेजमेंट की स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। सिक्योरिटी और फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज मुहैया कराने वाली कंपनी एनआईएस मैनेजमेंट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सुस्त शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 111 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.70 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 108 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 102.60 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 8.40 रुपये यानी 7.48 प्रतिशत का नुकसान हो गया। एनआईएस मैनेजमेंट का 60.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 28 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.13 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.15 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 51.75 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 7.44 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के तहत नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 16.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 18.38 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 18.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 8 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 405.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी पर कर्ज में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 87.22 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 91.11 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी के कर्ज में मामूली कमी आई और ये घट कर 83.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी, रिकॉर्ड हाई पर पहुंचे सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने आज सर्राफा बाजार में तेजी का नया रिकॉर्ड बना दिया है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 1,0,090 रुपये से लेकर 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 97,250 रुपये से लेकर 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,06,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 97,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगातार दूसरे साल की 5 लाख करोड़ से अधिक की खरीदारी

नई दिल्ली। साल 2025 के पहले आठ महीने के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी करके घरेलू शेयर बाजार को काफी सहारा दिया है। इसके पहले 2024 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 5.25 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। अभी 2025 के चार महीने बाकी हैं। ऐसे में घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी का आंकड़ा इस साल के अंत तक काफी ऊपर जा सकता है। भारतीय शेयर बाजार लंबे समय से दबाव में कारोबार कर रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रही उठापटक और भारत पर अमेरिकी टैरिफ लादे जाने की वजह से घरेलू शेयर बाजार का सेंटिमेंट लगातार बिगड़ा है। इस वजह से विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी करने में लगे हुए हैं। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों

(डीआईआई) ने जमकर खरीदारी करके शेयर बाजार को अपनी ओर से पूरा सहारा देने का काम किया है। एनएसई के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि म्यूचुअल फंड्स, बैंक, बीमा कंपनियों और अन्य घरेलू संस्थानों ने 2025 में अगस्त के महीने तक कुल 5.13 लाख करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर खरीदे हैं, जबकि 2024 में ये आंकड़ा 5.25 लाख करोड़ रुपये का था। 2023 में ये आंकड़ा 1.81 लाख करोड़ रुपये था। इसी तरह 2022 में घरेलू संस्थागत निवेशकों की तरफ से 2.76 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी हुई थी। आंकड़ों के अनुसार शेयर बाजार में घरेलू खरीद में आया ये उछाल विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के बीच आया है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2024 में शेयर बाजार में बिकवाली करके लगभग 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली का ये ट्रेंड 2025 में भी जारी है। इस साल विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजार से 1.30 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार 2025 में जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी कर रहे हैं, तब घरेलू शेयर बाजार को घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भरपूर सहारा दिया है। लगातार दूसरे साल पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी करके घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस बात को स्पष्ट कर दिया है कि शेयर बाजार अब विदेशी निवेशकों की दया ।

रिकॉर्ड लो लेवल तक गिरने के बाद संभला रुपया, डॉलर की तुलना में 1 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने के कारण मुद्रा बाजार में रुपया आज डॉलर की तुलना में रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरने के बावजूद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण आखिरकार 1 पैसे की सांकेतिक तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 1 पैसे उछल कर 88.20 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 88.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की गिरावट के साथ 88.23 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद रुपया 11 पैसे फिसल कर अभी तक सबसे निचले स्तर 88.32 तक गिर गया। हालांकि इसके बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने लगी, जिससे रुपये की स्थिति में भी सुधार होने लगा। डॉलर की आवक बढ़ने के कारण भारतीय मुद्रा 9 पैसे की मजबूती के साथ 88.12 के स्तर तक पहुंच गई। हालांकि बाद में एक बार फिर डॉलर की मांग तेज हो जाने के कारण रुपये पर दबाव बनने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 1 पैसे की सांकेतिक उछाल के साथ 88.20 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

देश का चालू खाता घाटा अप्रैल-जून तिमाही में घटकर जीडीपी का 0.2 फीसदी : आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। देश का चालू खाता घाटा (सीएडी) वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में घटकर 2.4 अरब डॉलर रह गया जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.2 फीसदी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि चालू खाता संतुलन में ये सुधार मुख्य रूप से सेवाओं के निर्यात का नतीजा है। आरबीआई के मुताबिक भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में तेजी से घटकर 2.4 अरब डॉलर यान जीडीपी का 0.2 फीसदी रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 8.6 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.9 फीसदी) था। आरबीआई के

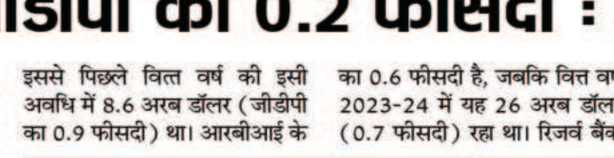

मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में चालू खाता 13.5 अरब डॉलर के अधिशेष में था, जो जीडीपी का 1.3 फीसदी है। आंकड़ों के मुताबिक पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में देश का चालू खाता घाटा 23.3 अरब डॉलर रहा, जो जीडीपी का 0.6 फीसदी है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 26 अरब डॉलर (0.7 फीसदी) रहा था। रिजर्व बैंक के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही के दौरान वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 68.5 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्?त वर्ष की इसी अवधि में 63.8 अरब डॉलर था। सेवाओं से शुद्ध प्राप्तियां बढ़कर 47.9 अरब डॉलर हो गईं, जो एक साल पहले इसी अवधि में 39.7 अरब डॉलर थीं। आरबीआई के मुताबिक जून तिमाही में व्यवसायिक सेवाओं और कंप्यूटर सेवाओं के निर्यात में सालाना आधार पर अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय खाते के संदर्भ में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में पहली तिमाही में 5.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ, जबकि पिछले वित्?त वर्ष की इसी अवधि में यह 6.2 अरब डॉलर था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) के रूप में 1.6 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह दर्ज किया गया जो पिछले वित्त वर्ष 0.9 अरब डॉलर था।

दक्षिणी राज्यों की मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने दक्षिण राज्यों में मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कर्नाटक, केरल और तेलंगाना राज्यों में मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों और

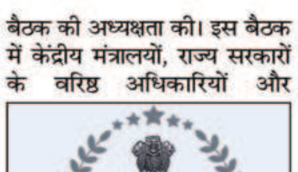

परियोजना के समर्थकों ने भाग लिया। मंत्रालय के मुताबिक समीक्षा बैठक में परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) द्वारा सुगम अंतर-मंत्रालयी और राज्यों के बीच समन्वय को बढ़ाकर समस्याओं के समाधान में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक में कर्नाटक में 3,658 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत वाली 5 महत्वपूर्ण परियोजनाओं से संबंधित 5 मुद्दों की समीक्षा की गई। केरल में 5,002 करोड़ रुपये की लागत वाली 2 परियोजनाओं से संबंधित 2 मुद्दों की पड़ताल की गई, जबकि तेलंगाना में 1,934 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली 3 परियोजनाओं से संबंधित 6 मुद्दों पर चर्चा की गई। डीपीआईआईटी सचिव ने परियोजना निगरानी के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित मुद्दों के समाधान में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया।

एटीएफ की कीमत में 1.4 फीसदी की कटौती, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में 1.4 फीसदी तक की कटौती की है। एटीएफ के दाम में यह कटौती एक जुलाई से कीमतों में लगातार दो मासिक वृद्धि के बाद वैश्विक मानक दरों में कमी के चलते की गई है। नई दरें सोमवार से लागू हो गई हैं। आईओसी की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 1,308.41 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 1.4 फीसदी घटकर 90,713.52 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इसी तरह मुंबई में एटीएफ की कीमत 86,077.14 रुपये घटकर 84,832.83 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में कीमतें क्रमशः 94,151.96 रुपये और 93,886.18 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। उललेखनीय है कि वैट जैसे स्थानीय करों के आधार पर शहरों में कीमतें अलग-अलग होती हैं। विमान ईंधन के मूल्य कटौती से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ कम होगा, जिनके लिए ईंधन परिचालन लागत का करीब 40 फीसदी हिस्सा है। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिल सकी है।

लगातार 3 दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। अगस्त के आखिरी तीन कारोबारी दिनों में गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज सितंबर महीने की शुरुआत जोरदार मजबूती के साथ की। माना जा रहा है कि जीडीपी के मजबूत आंकड़े, चीन के तियानजिन में हो रहे एससीओ शिखर सम्मेलन से आ रही सकारात्मक खबर, आईटी शेयरों में आई तेजी और शेयर बाजार में निचले स्तर से हुई खरीदारी के सपोर्ट के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक आज बढ़त बनाने में सफल रहे। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच जोर आजमाइश होती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। दोपहर 12 बजे के बाद खरीदार पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल लगातार तेज होती गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, ऑटोमोबाइल, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे निफ्टी का ऑटोमोबाइल इंडेक्स आज 2.80 प्रतिशत तक उछल गया। इसी तरह आईटी इंडेक्स भी 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 448.90 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.65 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.25 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,380 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,800 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,387 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 193 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,805 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,944 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 861 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 19.34 अंक के मामूली बढ़त के साथ 79,828.99 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल ऊपर नीचे होने लगी। दोपहर 12 बजे तक उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद सेंसेक्स को खरीदारों का सपोर्ट मिल गया, जिसके कारण इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 597.19 अंक उछल कर 80,406.84 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

रूस पर यूरोपीय संघ नेता के विमान की नेविगेशन प्रणाली में हस्तक्षेप का संदेह

एजेंसी

सोफिया (बुल्गारिया)। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के विमान को बुल्गारिया के ऊपर उड़ान के दौरान जीपीएस सिग्नल जैमिंग का सामना करना पड़ा, जिसे अधिकारियों ने रूस की ओर से किए गए संभावित हस्तक्षेप के रूप में देखा है। यूरोपीय आयोग की प्रवक्ता एरियाना पोदेस्ता ने बताया कि विमान सुरक्षित रूप से प्लोवदीव हवाई अड्डे पर उतरा और वॉन डेर लेयेन अपनी पूर्वी यूरोपीय संघ सदस्य देशों की निर्धारित यात्रा जारी रखेंगी। प्रवक्ता ने कहा, हमें बुल्गारियाई अधिकारियों से जानकारी मिली है कि यह हस्तक्षेप रूस की जानबूझकर की गई कार्रवाई का नतीजा हो सकता है। हम पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जैमिंग हुई थी। यह घटना उन कई मामलों में से एक है, जिनमें रूस पर जीपीएस सैटेलाइट नेविगेशन में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप के आरोप लगे हैं। पिछले कुछ महीनों से रूस की सीमा से सटे देश फिनलैंड, लातविया, लिथुआनिया और एस्टोनिया बार-बार ऐसे हस्तक्षेप की चेतावनी देते रहे हैं, जिससे उड़ानों, जहाजों और ड्रोन पर असर पड़ रहा है। बुल्गारियाई प्रशासन ने बताया कि वारसॉ से प्लोवदीव की उड़ान के दौरान विमान का जीपीएस सिग्नल बाधित हो गया था। लैंडिंग के समय सिग्नल पूरी तरह से गायब हो गया, जिसके बाद पायलटों को वैकल्पिक नेविगेशन सिस्टम का उपयोग करने का निर्देश दिया गया।

चीन और रूस ने दिया ईरान का साथ, यूरोपीय देशों के प्रतिबंध बहाली की पहल का विरोध

दुबई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य चीन और रूस ने ईरान का समर्थन करते हुए यूरोपीय देशों द्वारा तेहरान पर पुराने प्रतिबंध फिर से लागू करने के कदम को खारिज कर दिया। यह प्रतिबंध करीब एक दशक पहले परमाणु समझौते के तहत हटाए गए थे। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा लागू किए गए तथाकथित स्नैपबैक मैकेनिज्म के तहत प्रतिबंध बहाली की पहल को लेकर चीन, रूस और ईरान के विदेश मंत्रियों ने एक संयुक्त पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें इस कदम को कानूनी और प्रक्रियागत रूप से त्रुटिपूर्ण बताया गया। गौरतलब है कि चीन और रूस भी 2015 के ईरान परमाणु समझौते के हस्ताक्षरकर्ता रहे हैं, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी भी शामिल थे। हालांकि, अमेरिका ने 2018 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान इस समझौते से खुद को अलग कर लिया था। यूरोपीय देशों ने पिछले हफ्ते यह तंत्र सक्रिय किया था, यह आरोप लगाते हुए कि ईरान ने समझौते का उल्लंघन किया है। इस समझौते के तहत ईरान को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रतिबंधों से राहत मिली थी, बदले में उसे अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित रखना था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शक्तियों का दुरुपयोग है।

चीनी विदेश मंत्रालय के बयान को प्रधानमंत्री ओली के सलाहकार ने किया खारिज

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के आर्थिक सलाहकार डॉ. युवराज खतिवडा ने चीनी विदेश मंत्रालय के उस बयान को झूठ बताया है, जिसमें कहा गया है कि नेपाल ने ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआई) के लिए समर्थन व्यक्त किया है। डॉ. खतिवडा ने कहा कि इस बैठक के दौरान उन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पर चर्चा हुई, जिन्हें दोनों पक्ष समझौतों और सहमतियों के कार्यान्वयन के लिए प्राथमिकता देंगे। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) प्लस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर गए प्रधानमंत्री ओली और चीनी राष्ट्रपति शी ने 31 अगस्त को तियानजिन में द्विपक्षीय बैठक की थी। बैठक के बाद चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल ने चीन के प्रस्तावित वैश्विक विकास पहल (जीडीआई), वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई) और वैश्विक सभ्यता पहल (जीसीआई) का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री ओली तथा चीनी राष्ट्रपति शी के बीच बैठक में शामिल डॉ. खतिवडा ने कहा कि नेपाल सरकार, नेपाल के संविधान और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति के प्रति प्रतिबद्ध है और किसी भी देश की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा नहीं बनेगी। खतिवडा ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली की यात्रा मुख्यतः एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए है। शिखर सम्मेलन के दौरान हुई बातचीत में किसी समझौते या सहमति पर हस्ताक्षर नहीं किए गए।

प्रधानमंत्री ओली ने चीन में कंबोडिया, मालदीव और लाओ के राष्ट्रध्यक्षों से की द्विपक्षीय मुलाकात

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की। उन्होंने कंबोडिया के अपने समकक्ष हुन मानेत, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु और लाओ के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट के साथ बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और आपसी सहयोग के क्षेत्रों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए नेपाल-कंबोडिया संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने संबंधों को और मजबूत करने के लिए उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान के महत्व को भी रेखांकित किया। बैठक में ओली के प्रतिनिधिमंडल में पूर्व उप प्रधानमंत्री और सांसद पूर्ण बहादुर खडका, शिक्षा मंत्री रघुजी पंत, पर्यटन मंत्री बद्री पांडे, पूर्व मंत्री और आर्थिक सलाहकार डॉ. युवराज खतिवडा, सांसद छवि लाल बिश्वकर्मा और विदेश सचिव अमृत बहादुर राई शामिल थे।

भारत के साथ दशकों की साझेदारी को ट्रंप ने 'तहस-नहस' किया : पूर्व अमेरिकी एनएसए बोल्टन

एजेंसी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप की पहली सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन ने भारत के प्रति ट्रंप प्रशासन की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने भारत के साथ दशकों से चली आ रही साझेदारी को तहस-नहस कर दिया। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने स्काई न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के हफ्तों में भारत के साथ दशकों की साझेदारी को बिगाड़ दिया है। ट्रंप ने भारत को रूस और चीन के करीब जाने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने बताया कि ट्रंप 2.0 से पहले, अमेरिका ने भारत को शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ और चीन के साथ उसके लगाव से दूर करने की कोशिश की थी। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिमी देश, खासकर अमेरिका,

दशकों से भारत को सोवियत संघ और रूस से पुराने रिश्तों, खासकर हथियारों की खरीद, से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत को चीन के खतरे के बारे में चेतावनी दी, जिसका प्रतीक एशियाई सुरक्षा चतुर्भुज (जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका) है बोल्टन ने यह भी बताया कि ट्रंप प्रशासन ने कई कदम उठाए, जैसे व्यापार वार्ताओं को अचानक रोकना, जिससे भारत नाराज हुआ। जॉन बोल्टन ने कहा कि भारत सोच रहा था कि वह ट्रंप के साथ व्यापार समझौते के करीब है, जैसा कि ब्रिटेन ने किया, लेकिन ट्रंप ने इसे नजरअंदाज कर 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इसके बाद ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ थोप दिया। उन्होंने रूस पर कोई टैरिफ नहीं लगाया। ट्रंप ने चीन, जो रूसी तेल और गैस का सबसे बड़ा खरीदार है, पर कोई टैरिफ नहीं लगाया। बोल्टन ने दावा किया कि ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष का पूरा श्रेय लेने की कोशिश की, जिससे स्थिति और खराब हो गई। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हुए एक आतंकी हमले के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा, तो स्थिति पहले बिगड़ी, लेकिन बाद में शांत हो गई। ट्रंप ने इसका पूरा श्रेय खुद लिया और कहा कि उन्होंने इस साल छह या सात युद्ध रोके, जिसके लिए वे नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। इससे भारत बहुत नाराज है।

रूस के राष्ट्रपति से नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने की मुलाकात

एजेंसी

काठमांडू। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन के टियांजिन में मौजूद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत की। यह बैठक हुई और तियांजिन के मेक्सियांग सम्मेलन केंद्र में लगभग आधे घंटे तक चली। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मामलों पर चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी उड़ान का प्रस्ताव रखा है। प्रधानमंत्री ओली के साथ दौरे पर गए उनके आर्थिक सलाहकार डॉ युवराज खतिवडा के अनुसार, प्रधानमंत्री ओली ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए आगे बढ़ने का भी प्रस्ताव रखा है।खतिवडा ने बताया कि प्रधानमंत्री ओली ने रूस में नेपाली छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति बढ़ाने पर भी चर्चा की है। उन्होंने लगभग 25 मिनट तक वन टू वन बैठक भी की तथा सरकारी टीम के साथ लगभग 15 मिनट तक चर्चा की। आज ही प्रधानमंत्री ओली ने अपने चीन भ्रमण के दौरान कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु से भी मुलाकात की है। को, उन्होंने टियांजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लिया, जहां उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ बधाई दी। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने चीन में चावल के मुख्य रोपण क्षेत्र का दौरा किया था।

सूडान में भीषण भूस्खलन, 1000 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी

खारतूम/दारफुर। पश्चिमी सूडान में लगातार कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद मर्रा पर्वत क्षेत्र में आए भीषण भूस्खलन से कम से कम 1000 लोगों की मौत हो गई है। सूडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी (स्ल्ग्र) ने इस आपदा की पुष्टि करते हुए बताया कि तारासिन गांव का बड़ा हिस्सा मलबे में दब गया और केवल एक व्यक्ति ही जीवित बच पाया।

मानवीय आपदा और सहायता की अपील

संगठन ने संयुक्त राष्ट्र, क्षेत्रीय संस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से तत्काल मानवीय सहायता भेजने की अपील की है। भूस्खलन से प्रभावित इलाका दुर्गम और सुदूर है, जिससे राहत कार्य बेहद मुश्किल हो रहा है।

संघर्षग्रस्त क्षेत्र में नई त्रासदी

यह इलाका वर्तमान में सूडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी के नियंत्रण में है, जो सूडानी सेना के साथ मिलकर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फ़ोर्सेज़ (ऋस्त्र) के खिलाफ लड़ रही है। गृहयुद्ध के चलते पहले से ही

हजारों लोग विस्थापित होकर मर्रा पर्वत की शरण ले चुके थे। अब इस प्राकृतिक आपदा ने हालात और बदतर बना दिए हैं।

युद्ध और भुखमरी की मार

अप्रैल 2023 में सेना और ऋस्त्र के बीच छिड़े संघर्ष ने देश को भुखमरी और जनसंहार की स्थिति में धकेल दिया है। अमेरिका के एक अधिकारी के अनुसार, 2023 से अब तक लगभग 1.5 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 1.2 करोड़ लोग अपने घर छोड़कर विस्थापित होने पर मजबूर हुए हैं। दारफुर क्षेत्र में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात को लेकर आए वक्तव्य पर संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री ओली से जवाब मांगा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री की चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान पर नेपाल में राजनीतिक भूचाल आ गया। अब इस बयान को लेकर संसद की अंतराष्ट्रीय संबंध समिति ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से जवाब मांगा है। चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग से मुलाकात के बाद वहां के विदेश मंत्रालय की तरफ से बयान जारी कर नेपाल की ओर से ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआई) का समर्थन करने की बात उल्लेख की गई है। इसको लेकर नेपाल में राजनीतिक भूचाल आ गया है। सभी दलों ने इसका विरोध किया है। संसद की अंतराष्ट्रीय संबंध समिति के सभापति राजकिशोर यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री ओली के चीन भ्रमण से लौटते ही इस विषय पर जवाब तलब किया गया है। प्रधानमंत्री को संसदीय समिति में उपस्थित होकर इस विषय पर नेपाल सरकार की औपचारिक धारणा रखने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जीएसआई चीन द्वारा शुरू किया गया एक सैन्य गठबंधन है। चीन की तरफ से जारी बयान में नेपाल के समर्थन

क़ी बात देश की विदेश नीति के खिलाफ है। संसदीय समिति के अध्यक्ष ने कहा कि नेपाल की संसद में सर्वसम्मति से यह स्वीकार किया गया है कि हम किसी भी देश की सुरक्षा या सैन्य रणनीति का अंग नहीं बन सकते हैं। संसदीय समिति की बैठक के बाद अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने कहा है कि चीन के बयान के बाद नेपाल सरकार खासकर प्रधानमंत्री से उनकी इस विषय पर स्पष्ट धारणा रखने के लिए उन्हें संसदीय समिति में स्वयं उपस्थित होकर जवाब देने को कहा गया है। हालांकि प्रधानमंत्री के साथ इस समय चीन के भ्रमण पर रहे उनके आर्थिक सलाहकार डा युवराज खतिवड़ा ने स्पष्ट कर दिया है कि चीनी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के दौरान जीएसआई को लेकर किसी भी प्रकार की कोई बातचीत नहीं हुई है। खतिवड़ा ने साफ शब्दों में कहा कि चीन का बयान गलत और भ्रामक है। प्रधानमंत्री के भ्रमण दल में सहभागी शिक्षा मंत्री रघुजी पंत ने भी कहा कि चीन का बयान एकतरफा है और इससे नेपाल का कोई संबंध नहीं है। उन्होंने दावा किया कि चीन की तरफ से आए बयान में कोई सच्चाई नहीं है।

कीव ने एससीओ समिट के बयान में रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र न होने पर जताई नाराजगी

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने तियानजिन में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के परिणामों को ध्यान में रखते हुए कहा कि इस सम्मेलन के मुख्य दस्तावेज, 20 पेज के तियानजिन घोषणा पत्र में रूस के यूक्रेन पर युद्ध का जिक्र न होना बहुत ही आश्चर्यजनक और नकारात्मक संकेत है। यूक्रेन ने कहा कि यह यूरोप में हुई सबसे बड़ी आक्रामकता है, जो विश्व युद्ध 2 के बाद सबसे गंभीर मानी जाती है, और इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज में इसका उल्लेख न होना काफी हैरान करने वाला है। जबकि घोषणा पत्र में कई अन्य युद्धों, आतंकवादी हमलों और विश्व के घटनाक्रम का जिक्र है, रूस-यूक्रेन युद्ध की चुप्पी साफ तौर पर एक बड़ी चूक है। यूक्रेन का कहना है कि बिना रूस की आक्रामकता का न्यायसंगत अंत किए, हम वैश्विक विकास, अंतरराष्ट्रीय शांति-सुरक्षा, संयुक्त

राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का पालन और विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के बीच व्यापारिक संबंधों के स्थिर विकास की बात नहीं कर सकते।

यूक्रेन ने इस बात पर जोर दिया है कि एससीओ समिट के बयान में रूस-यूक्रेन युद्ध का उल्लेख न होना, मास्को के कूटनीतिक प्रयासों की असफलता का परिचायक है। रूस कोशिश कर रहा था कि विश्व को इस युद्ध को लेकर दो हिस्सों में बांट दे और यह धारणा बनाई जाए कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाहर के देशों में रूस की आक्रामकता को लेकर सकारात्मक सोच है। लेकिन इस बार रूस की यह चाल कामयाब नहीं हो पाई। यूक्रेन का मानना है कि मास्को अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद एससीओ के सदस्य देशों की राय को एक ऐसी स्थिति में लाने में असफल रहा जो उसके पक्ष में हो। यूक्रेन ने पुनः सभी शांति शांतिप्रिय देशों से अपील की है कि वे रूस की आक्रामकता का आकलन करते समय अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नियमों का पालन करें। यूक्रेन ने चीन की महत्वपूर्ण भूराजनीतिक भूमिका को ध्यान में रखते हुए बीजिंग से आग्रह किया है कि वह यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभाए। यह शांति तभी संभव होगी जब सभी पक्ष संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का सम्मान करें।

सैन्य परेड में शामिल होने बुलेट ट्रेन में बैठकर बीजिंग पहुंचे प्रधानमंत्री ओली

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली टियांजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) प्लस शिखर सम्मेलन के बाद बीजिंग पहुंचे हैं। सैन्य परेड में शामिल होने के लिए नेपाली प्रतिनिधिमंडल ने बुलेट ट्रेन का सफर किया है। प्रधानमंत्री ओली ने अपने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर बुलेट ट्रेन के जरिए टियांजिन से बीजिंग की यात्रा करने की जानकारी दी है। बीजिंग पहुंचने पर चीनी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मुलाकात चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से होनी है। उपराष्ट्रपति की ओर से आयोजित राजकीय रात्रिभोज में भी नेपाली प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेगा।इससे पहले टियांजिन में प्रधानमंत्री ओली ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। अपनी यात्रा के अंतिम कार्यक्रम के रूप में नेपाली प्रतिनिधिमंडल 3 सितंबर को बीजिंग में फासीवाद और जापानी आक्रामकता के खिलाफ युद्ध में चीन की जीत के 80वीं वर्षगांठ समारोह में वैश्विक नेताओं के साथ शामिल होगा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल उसी दिन नेपाल लौटेगा।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर बीजिंग रवाना

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपनी विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर प्योंगयांग से चीन के लिए मंगलवार को रवाना हो गए। वे बीजिंग में बुधवार को होने वाली 'विक्ट्री डे' परेड में हिस्सा लेंगे। चीन के इस परेड में किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक मंच पर नजर आएंगे। उत्तर कोरिया स्टेट मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक कोरियाई वर्कर्स पार्टी के महासचिव और कोरियाई लोकतांत्रिक जनवादी गणराज्य के राज्य मामलों के अध्यक्ष किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर विक्ट्री डे की 80वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए 1 सितंबर को अपनी ट्रेन से

प्योंगयांग से रवाना हुए। उनकी ट्रेन 2 सितंबर की सुबह सीमा पार कर गई। किम जोंग के साथ कोरियाई पीपुल्स पार्टी की केंद्रीय समिति और डीपीआरके सरकार के प्रमुख अधिकारी यात्रा कर रहे हैं। उनकी यात्रा में 24 घंटे तक का समय लग सकता है और वे मंगलवार को बीजिंग पहुंचेंगे। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने बीजिंग की यात्रा के लिए एक घंटे की उड़ान के विकल्प को छोड़कर प्योंगयांग से बीजिंग तक ट्रेन में लगभग 24 घंटे के सफर को चुना। किम जोंग उन की इस विशेष ट्रेन का आधिकारिक नाम- तायांग-हो- है। जिसमें अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के साथ शाही सुविधाएं हैं।

खास है किम जोंग उन की बख्तरबंद ट्रेन

दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का मानना है कि किम की निजी ट्रेन बुलेटप्रूफ खिड़कियों, अभेद्य आवरण, रडार से बचने के लिए डिजाइन किए गए विशेष जालीदार आवरण और मोर्टार से लैस है। कवच और उपकरणों से लदी, तायांग-हो लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलती है। शाही सुविधाएं और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था है। इसकी रफ्तार 50-60 किमी/घंटा तक है।

वेनेज़ुएला के मादुरो ने कहा- उनका देश शांतिपूर्ण, लेकिन धमकियों के आगे नहीं झुकेगा

एजेंसी

कैरेकस। वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कहा कि उनका देश पिछले 100 वर्षों में दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप पर सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका पर कैरेबियाई सागर में नौसैनिक ताकत बढ़ाकर तनाव पैदा करने का आरोप लगाया। काराकास में सैन्य अधिकारियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मदुरो ने कहा, 'वेनेज़ुएला 100 वर्षों में हमारे महाद्वीप पर देखे गए सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने स्पष्ट किया कि वेनेज़ुएला एक शांतिप्रिय देश है लेकिन वह धमकियों के आगे नहीं झुकेगा।

हाल के हफ्तों में अमेरिका और वेनेज़ुएला के बीच तनाव तब बढ़ गया जब अमेरिकी नौसेना ने वेनेज़ुएला के नजदीकी कैरेबियाई जलक्षेत्र में बड़ी तैनाती की। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ अभियान का हिस्सा है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है, जिसे माइग्रेशन रोकने और दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने की रणनीति से जोड़ा गया है। वहीं, वेनेज़ुएला ने बार-बार अमेरिका के इन आरोपों को खारिज किया है कि उसका

शासन अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी में शामिल है। अगस्त की शुरुआत में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी की जानकारी देने पर मिलने वाले इनाम को दोगुना कर 50 मिलियन डॉलर कर दिया था। मादुरो और आंतरिक मंत्री दियोसदादो काबेलो ने अमेरिकी नौसैनिक तैनाती को हस्तक्षेप का बहाना बताते हुए इसे वेनेज़ुएला की संप्रभुता पर सीधा हमला करार दिया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने जर्मनी के उद्यमियों से किया निवेश का आग्रह

एजेंसी

बर्लिन। तमिलनाडु में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से राज्य के मुख्यमंत्री एम. के स्टालिन इन दिनों जर्मनी और ब्रिटेन की एक सप्ताह की यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान वे फिलहाल जर्मनी में और फिर इंग्लैंड में बसे तमिलों और वहां के निवेशकों और उद्यमियों से तमिलनाडु आने और निवेश करने का आग्रह कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन सबसे पहले चेन्नई से जर्मनी के लिए रवाना हुए। उनके डसेलडोर्फ हवाई अड्डे पर पहुंचने पर वहां रहने वाले तमिलों ने उनका भव्य स्वागत किया। उनका स्वागत फूलों और गुब्बारों से किया गया, जिन पर पिता लिखा हुआ था। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन यूरोपीय तमिलों द्वारा आयोजित भव्य तमिल ड्रीम कार्यक्रम में शामिल हुए। जर्मनी में रहने वाले तमिल प्रवासियों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक भावुक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, जर्मनी में रहने वाले तमिल रिश्तेदारों, जिन्होंने अपनी जड़ों को नहीं भुलाया है, उनकी ऊंचाइयों को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। उनके स्वागत के उत्साह से मैं अभिभूत हो गया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि विदेशों में रहने वाले तमिल अपनी जड़ों को नहीं भूले हैं और अपनी संस्कृति व भाषा का संरक्षण व सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने द्रविड़ मॉडल सरकार के तहत तमिलनाडु में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बारिश और बाढ़ से 24 लाख लोग प्रभावित, हालात बिगड़ने की आशंका

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रिकॉर्ड तोड़ मानसूनी बारिश के कारण आई विनाशकारी बाढ़ से 24 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और एक हजार से ज्यादा गांव जलमग्न हो गए हैं। स्थानीय मीडिया ने प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के हवाले से कहा कि यह क्षेत्रीय इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ आपदाओं में से एक है। पीडीएमए के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने कहा कि भारी बारिश और उफनती नदियों के कारण पूरे प्रांत में 3,100 से ज्यादा गांव और लगभग 2,900 बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। लगातार मानसूनी बारिश और बाढ़ के पानी ने पूरे पाकिस्तान में खेतों को बर्बाद कर दिया है। कटाई के लिए तैयार फसलें नष्ट हो गई हैं, जिससे देश में खाद्य संकट और मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ गई हैं। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, देश के सबसे बड़े प्रांत में पिछले सप्ताह आई विनाशकारी बाढ़ से सैकड़ों गांव, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों में पानी भर गया है। मवेशी बह गए और किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं।

बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। पाकिस्तान में यूएन रेजिडेंट और मानवीय समन्वयक मोहम्मद याह्या ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह सामान्य नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून अब पूरे पाकिस्तान के लिए भय और तबाही लेकर आ रहा है।

पंजाब के हाफिजाबाद में जलमग्न खेतों का एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जहां तक नजर जाती है, वहां तक धान के खेत बाढ़ की चपेट में हैं। किसानों को अब अगले बुआई सीजन तक बिना फसल या आय के रहना होगा। याह्या ने कहा, 'यह तो बस शुरुआत है। आने वाले हफ्तों में और तेज बारिश हो सकती है। जैसे-जैसे पानी दक्षिण की ओर बढ़ेगा, इससे परिवारों के विस्थापन और विनाश का खतरा और ज्यादा पैदा होगा। पाकिस्तानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते जलस्तर की वजह से चिनाब नदी का पानी मंगलवार को पंजाब के मुल्तान जिले तक पहुंच सकता है और रावी नदी के जल में मिल सकता है।

पीडीएमए के अनुसार, पंजाब में पंजनद नदी का जलस्तर 5 सितंबर को अपने चरम पर पहुंचने की आशंका है, जबकि सतलुज नदी का पानी सुलेमानकी और हेड इस्लाम सहित बैराजों की ओर बढ़ रहा है। पूरे पंजाब प्रांत में दो और दिनों तक मानसूनी बारिश का अनुमान है, जिससे राहत अभियान बाधित हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब प्रांत के मैदानी इलाकों में 100 से 200 मिमी के बीच भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ में कम से कम 164 लोगों की जान चली गई, जबकि 582 अन्य घायल हो गए।